कोटद्वार, सोमवार
9 सितम्बर 2024
वर्षः 46
अंकः 134 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00
RNI No.UTTHIN/2005/16338

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

सिमली में देवी के दर्शनों को उमड़े भक्त

चमोली। सिमली में राजराजेश्वरी चंडिका देवी की पूजा अर्चना के लिए रविवार को भक्तों की कतार लगी रही। देवी के पुण्य दर्शनों के लिए कर्णप्रयाग, सिमली सहित आसपास के गांवों से सैकड़ों लोग पहुंचे। बेनातोली देवी मंडप में पंचांग पूजा, सप्तशतीपाठ और सहत्रनामावली पाठ किया जा रहा है। पूजा अर्चना सिमली, सेनू, जाख, सुंदरगांव के प्रधानों एवं मालगुजारों बिरेंद्र लडोला, मुकेश नेगी, प्रताप बिष्ट, गजेंद्र सगोई व महिपाल सिंह के हाथों पं. गणेश खंडूड़ी, सत्यप्रसाद खंडूड़ी, महेंद्र गैरोला, संजय गैरोला, प्रियंक गैरोला, कांती गैरोला, थानेश्वर प्रसाद, प्रदीप गैरोला, कृष्णा गैरोला विधि विधान से करा रहे हैं। दायित्वधारी राज्यमंत्री रमेश गड़िया ने देवी की पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिया और क्षेत्र की सुख समृद्धि की कामना की है।

केदारघाटी में लगाए गए बोर्ड में किया ग्रामीणों ने बदलाव

रुद्रप्रयाग। केदारघाटी के कई गांवों में लगाए गए साइन बोर्ड में ग्रामीणों ने बदलाव कर दिया है। साइन बोर्ड में गैर हिन्दू शब्द को हटाते हुए बाहरी व्यक्तियों के प्रवेश पर रोक संबंधी बोर्ड लगाए गए हैं। हालांकि पुलिस ने सूचना मिलते ही गांवों में लगाए गए बोर्ड हटा दिए। बाद में ग्रामीणों ने पुलिस से वार्ता करने के बाद बिना सत्यापन और संदिग्ध लोगों की गांवों में आवाजाही रोकने जैसे बोर्ड लगा दिए हैं। कुछ दिन पहले केदारघाटी की ग्राम पंचायत रविग्राम, गौरीकुंड, न्यालसू, खड़िया, मैखण्डा सहित कई गांवों में बाहरी लोगों के प्रवेश रोकने को लेकर स्थानीय लोगों ने साइन बोर्ड लगाए हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में बिना सत्यापन के फेरी और अन्य माध्यमों से आवाजाही कर रहे संदिग्ध लोगों की आवाजाही न हो सके इसके लिए ग्रामीणों ने गांव–गांव में बातचीत और आपसी सहमति से साइन बोर्ड लगाए हैं। ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में किसी तरह की चोरी और अन्य घटनाएं न हो सके।

युवक की मौत

हल्द्वानी। रामनगर से हल्द्वानी आते समय अल्मोड़ा के क्वाला, कटपुरी डिया निवासी 25 वर्षीय हिमांशु अधिकारी की बाइक कालाढूंगी में दूसरी बाइक से भिड़ गई। गंभीर रूप से घायल युवक को मुखानी स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां उसकी इलाज के दौरान शनिवार रात मौत हो गई। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है।

पुलिस के अनुसार हिमांशु रामनगर में ढिकुली स्थित एक रिजॉर्ट में नौकरी करता था। छह सितंबर को वह ढिकुली से हल्द्वानी बाइक पर आ रहा था। कालाढूंगी में उसकी बाइक सामने से आ रही तेज रफ्तार दूसरी बाइक से टकरा गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत 108 एंबुलेंस की मदद से घायल को मुखानी स्थित निजी अस्पताल में भर्ती करा दिया। शनिवार रात इलाज के दौरान हिमांशु ने दम तोड़ दिया। एसओ मुखानी पंकज जोशी ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया गया है।

तीसरे दिन खुला बार्डर हाईवे, आवाजाही हुई शुरू

चमोली। जोशीमठ नगर से लगभग 35 किलोमीटर आगे नीती मलारी बार्डर हाईवे तीसरे दिन यातायात के लिए खुल गया है। बीते शुक्रवार सुबह लगभग 6 बजे पहाड़ी टूटने के कारण हाईवे बंद हो गया था। सड़क खुलने के बाद दोनों और पिछले तीन दिनों से फंसे दर्जनों वाहन आर पार हुए। बता दें कि लाता से 2 किलोमीट आगे बार्डर हाईवे में पहाड़ी का एक बड़ा भाग टूटकर आ गया था। शुक्रवार सुबह लगभग 6 बजे यहां पर पहाड़ी का एक बड़ा हिस्सा टूटा जिसके बाद बीआरओ ने अपनी मशीनों की सहायता से शुक्रवार पूरे दिन यहां पर बोल्डर हटाने का काम जारी रखा। कुछ सड़क साफ भी हो गई थी कि शनिवार को दोहपर में एक बार फिर से यहां पर पहाड़ी टूटने के कारण सड़क शनिवार को भी बहाल नहीं हो सकी। जिसके बाद बीआरओ ने दोनों ओर से मशीने लगाकर पहाड़ी से आये बोल्डरों को तोड़ना शुरू किया व यहां पर बड़ी–बड़ी चट्टानों को हटाने के लिए कुछ कन्ट्रोल ब्लास्टिंग भी की गई। जिसके बाद रविवार शाम पौने चार बजे लगभग यहां पर बीआरओ ने वैकल्पिक रूप से सड़क को सुचारू कर वाहनों की आवाजाही शुरू करवा दी है।

सीएम धामी ने किया माँ नन्दा-सुनन्दा महोत्सव-2024 का शुभारंभ

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को वर्चुअल माध्यम से नैनीताल में आयोजित माँ नन्दा–सुनन्दा महोत्सव–2024 के शुभारंभ अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सभी को नन्दा महोत्सव– 2024 की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि माँ नन्दा–सुनन्दा सभी श्रद्धालुओं एवं प्रदेशवासियों की मनोकामनाओं को पूर्ण करें तथा सदैव कृपा बनाये रखें। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि पारंपरिक मेले हमें हमारी संस्कृति के साथ अपनी जड़ों से जोड़ने का काम करते हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार प्रदेश के पौराणिक मेलों का संरक्षण करते हुए नए आयामों को जोड़कर भव्यता प्रदान कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान सरकार धार्मिक आस्था का सम्मान करते हुए विकास कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केदारनाथ की भूमि से कहा था कि 21वीं सदी का तीसरा दशक उत्तराखंड का दशक होगा। जिस पर राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है।

एल्युमिना रिफाइनरी में बड़ा हादसा, कोयले से भरा हॉपर गिरा; 3 मजदूरों की मौत– एक लापता

अंबिकापुर ,छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में रविवार को एक एल्यूमिना रिफाइनरी में कोयले से भरा हॉपर गिरने से तीन श्रमिकों की मौत हो गई। वहीं हादसे में एक अन्य श्रमिक घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि एक कर्मचारी लापता भी है, जिसका पता लगाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। एक अधिकारी ने एजेंसी को बताया कि यह घटना सुबह करीब 11 बजे रघुनाथपुर पुलिस चौकी के तहत सिलसिला गांव में मां कुदरगढ़ी एल्यूमिना रिफाइनरी में हुई। अधिकारी ने कहा कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार कोयले से भरा एक स्टील टावर पर लगा हॉपर ढह गया और उसके नीचे काम कर रहे लोगों पर गिर गया। उन्होंने बताया कि पुलिस को सतर्क कर दिया गया और एक टीम मौके पर पहुंची और बचाव अभियान शुरू किया। अधिकारी ने कहा, अभी तक घटनास्थल से तीन श्रमिकों के शव निकाले गए हैं, और एक श्रमिक गंभीर हालत में पाया गया और अस्पताल में भर्ती है। उन्होंने बताया कि एक अन्य कर्मचारी लापता बताया जा रहा है और उसका पता लगाने के प्रयास जारी हैं।

मणिपुर में नहीं थम रही हिंसा: बदमाशों ने की पुलिस के हथियार लूटने की कोशिश

● आर्मी हेलीकॉप्टर किए गए तैनात

इंफाल ,मणिपुर में एक बार फिर हिंसा की घटनाएं देखने को मिल रही है। बीते दिन जिरीबाम जिलें में पांच लोगों की हिंसा में मौत हो गई। वहीं, एक व्यक्ति की सोते समय हत्या कर दी गई। इस बीच पुलिस ने बताया कि कुछ बदमाशों ने इंफाल पूर्वी जिले में मणिपुर राइफल्स की दो बटालियनों के शस्त्रागार से हथियार लूटने की कोशिश की, लेकिन सुरक्षा बलों ने आंसू गैस के गोले और खाली राउंड फायर करके भीड़ को तितर–बितर कर दिया।

पुलिस के हथियार लूटने की कोशिश एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि देर शाम कुछ बदमाशों ने 7वीं और 2वीं मणिपुर राइफल्स बटालियन से हथियार लूटने का प्रयास किया, लेकिन संयुक्त सुरक्षा बलों ने भीड़ को सफलतापूर्वक तितर–बितर कर दिया। बाद में, जब सुरक्षा दल खाबेइसोई में स्थापित 7वीं बटालियन से लौट रहा था, तो बदमाशों ने उन पर गोलीबारी की, जिसमें दो पुलिसकर्मी घायल हो गए। इसमें कहा गया है कि वरिष्ठ अधिकारी तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रण में लाया। पुलिस एक बार फिर सभी से अपील कर रही है कि वे कानून को अपने हाथ में न लें। इस तरह के दुस्साहस में लिप्त बदमाशों से सख्ती से निपटा जाएगा और उन्हें गंभीर कानूनी परिणाम भुगतने होंगे।

निगरानी के लिए सैन्य हेलीकॉप्टर तैनात

इस बीच हिंसा की घटनाओं के चलते हवाई गश्त करने के लिए एक सैन्य हेलीकॉप्टर को भी तैनात कर दिया गया है और उग्रवादियों के ड्रोन को मार गिराने के लिए एंटी ड्रोन प्रणाली तैनात की गई है।

लूटे गए हथियार और गोला–बारूद बरामद

बता दें कि पिछले साल मई में मणिपुर में जातीय हिंसा भड़कने के बाद, हिंसक भीड़ ने मणिपुर पुलिस के शस्त्रागार और जिलों में अन्य सुरक्षा चौकियों से 4000 से अधिक अत्याधुनिक हथियार और लाखों गोला–बारूद लूट लिए थे। सुरक्षा बलों ने बाद में बड़ी संख्या में लूटे गए हथियार और गोला–बारूद बरामद किए।

जम्मू–कश्मीर : भाजपा ने जारी की उम्मीदवारों की छठी लिस्ट

नई दिल्ली , जम्मू–कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रविवार को अपनी छठी लिस्ट जारी कर दी। पार्टी ने लिस्ट में 10 उम्मीदवारों के नाम का ऐलान किया है। खास बात ये है कि भाजपा ने 5 मुस्लिम चेहरों को टिकट दिया है। भाजपा ने ऊधमपुर पूर्व से आर एस पठानिया और मढ़ से सुरिंदर भगत को चुनावी मैदान में उतारा है। भाजपा ने करनाह से मो. इदरीस करनाह, हंडवाड़ा से गुलाम मोहम्मद मीर, सोनावारी से अब्दुल रशीद खान, बांदीपोरा से नसीर अहमद लोन, गुरेज से फकीर मोहम्मद खान को टिकट थमाया है। इसके अलावा पार्टी ने ऊधमपुर पूर्व से आर एस पठानिया, कठुआ से डॉ. भरत भूषण, बिश्नाह से राजीव भगत, बाहु से विक्रम रंधावा, मढ़ से सुरिंदर भगत को अपना उम्मीदवार बनाया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हाल ही में जम्मू–कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी का संकल्प पत्र जारी किया था। उन्होंने बताया था कि अगर घाटी में हमारी सरकार बनती है, तो घर की सभी वरिष्ठ महिलाओं को 18 हजार रुपये दिए जाएंगे। यह रकम ह्यमां सम्मान योजनाह्ल के अंतर्गत दिए जाएंगे। इसके अलावा, उज्ज्वला योजना के तहत महिलाओं को दो मुफ्त सिलेंडर प्रदान किए जाएंगे। इसके साथ ही किसी की पढ़ाई में पैसों का अभाव बाधा न बने, इसके लिए हम सभी छात्राओं को प्रतिवर्ष तीन हजार रुपये प्रदान करेंगे। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि अगर जम्मू–कश्मीर में भाजपा की सरकार बनती है, तो वृद्ध महिलाओं को प्रतिमाह तीन हजार रुपए पेंशन के रूप में दिए जाएंगे। मौजूदा समय में घाटी में सभी वृद्ध महिलाओं को महज एक हजार रुपए ही पेंशन मिलती है। इसके अलावा, अमित शाह ने किसानों को भी सौगात देने की बात कही। उन्होंने कहा कि घाटी में बीजेपी की सरकार बनने पर ह्यकिसान सम्मान निधि योजनाह्ल के अंतर्गत प्रति वर्ष 6 हजार की जगह 10 हजार रुपये दिए जाएंगे। उन्होंने संकल्प पत्र जारी करते हुए स्पष्ट कहा था कि एक बात हम सभी लोगों को समझ लेनी चाहिए कि अनुच्छेद 370 अब इतिहास बन चुका है, इसका वर्तमान से कोई सरोकार नहीं है। 90 सदस्यीय जम्मू–कश्मीर विधानसभा के लिए तीन चरणों में मतदान होंगे। पहले चरण के लिए 18 सितंबर, दूसरे चरण में 25 सितंबर, तीसरे और आखिरी चरण में 1 अक्टूबर को वोट डाले जाएंगे। जबकि,चुनाव के नतीजे 8 अक्टूबर को घोषित किए जाएंगे।

ममता बनर्जी पर आरोपों का सिलसिला जारी

दार्जिलिंग , पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर आरोपों का सिलसिला जारी है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राज्यसभा सांसद जवाहर सरकार ने नैतिक आधार पर इस्तीफा दे दिया है और ममता बनर्जी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। जवाहर सरकार ने बताया है कि टीएमसी नेतृत्व ने आरजी कर रेप और हत्या मामले को कवर करने की कोशिश की, दोषियों को पदोन्नति दी और संरक्षण दिया। उन्होंने यह भी कहा है कि टीएमसी में भ्रष्टाचार की गहराई है और नेतृत्व जमीनी हकीकत से कटा हुआ है। भारतीय जनता पार्टी के नेता और पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग से सांसद राजू बिस्टा ने ममता बनर्जी पर आरोप लगाया है कि उन्होंने पुलिस और प्रशासन की मदद से झूठ, छल और अत्याचार किया है। उन्होंने ममता बनर्जी से तुरंत इस्तीफा देने की मांग की है, कहा है कि उन्होंने नैतिक अधिकार खो दिया है और पश्चिम बंगाल को बेहतर नेतृत्व की जरूरत है। जवाहर सरकार ने चिट्ठी में लिखा, मैं कुछ चीजें बर्दाश्त नहीं कर सकता जैसे भ्रष्ट अधिकारियों (या डॉक्टरों) को प्रमुख और शीर्ष पद मिलना।

कन्हैया मित्तल ने कांग्रेस में शामिल होने का किया ऐलान

चंडीगढ़ ,जो राम को लाए हैं, हम उनको लाएंगे भजन गाकर प्रसिद्ध हुए कन्हैया मित्तल ने रविवार को कांग्रेस में शामिल होने का ऐलान किया। उन्होंने अपने बयान में कहा, आज सुबह हमारे एक मित्र का फोन आया। मैंने उनसे बात की। मैंने उन्हें बताया कि हो सकता है कि मैं कांग्रेस ज्वाइन करूं, क्योंकि मुझे लगता है कि सनातन की बात करने वाला एक ही दल ना हो। हर दल से सनातन की बात हो। हर किसी की मदद करने के लिए हर दल से बात होनी चाहिए, इसलिए मन में इच्छा हुई कि मैं कांग्रेस ज्वाइन करूं।

भाजपा के बारे में उन्होंने कहा, मेरा इस पार्टी से कोई मतभेद नहीं है। कुछ लोग कह रहे हैं कि टिकट नहीं मिला, इसलिए कांग्रेस में शामिल हो रहे हैं, लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं। अगर मुझे टिकट चाहिए होती, तो मैं खुद लोगों से बात करता और मुझे टिकट मिल जाता। कोई बड़ी बात नहीं है।

उन्होंने कहा, मैंने कभी भी किसी को नहीं कहा कि भाजपा को वोट दो। हमेशा से यही कहा कि जो राम मंदिर के लिए काम करें, उसका साथ दें, कहीं पर भी बैठकर हम काम कर सकते हैं। आप अपनी तपस्या सडक़ पर भी कर सकते हैं और हिमालय में भी, पानी में भी कर सकते हैं, तो अग्नि में भी। ऐसा जरूरी नहीं है कि आप एक ही दल में रहकर अपनी तपस्या करो।उन्होंने आगे कहा, मैं तो वैसे भी भाजपा में कभी था भी नहीं। मुझे शीर्ष नेतृत्व की ओर से बुलाया जाता था कि आप आइए हमारे यहां। भजन गाइए और अगर आप वो भजन भी सुनेंगे, तो उसमें आपको कहीं पर भी भाजपा का नाम नहीं दिखेगा। हमने यह भजन हमारे महाराज योगी जी (योगी आदित्यनाथ) के लिए गाया था। वो आज भी हैं, कल भी हैं, सदैव रहेंगे। चाहे हम किसी भी दल में जाएं या ना जाएं।

कन्हैया मित्तल के भजन जो राम को लाए हैं, हम उनको लाएंगे का उत्तर प्रदेश चुनाव में भाजपा ने इस्तेमाल किया था। खुद कई चुनावी रैलियों में कन्हैया यह भजन गाते दिखे थे।

बता दें कि कन्हैया मित्तल भाजपा से हरियाणा विधानसभा चुनाव में पंचकूला सीट से टिकट चाह रहे थे, लेकिन उन्हें टिकट नहीं मिला, जिसके बाद अब उन्होंने कांग्रेस में शामिल होने का ऐलान किया है।

पाकिस्तान पीओके के लोगों को विदेशी कहता है, हम उन्हें अपना नागरिक मानते हैं : राजनाथ सिंह

जम्मू ,रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि पाकिस्तान सरकार पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) के लोगों को विदेशी कहती है, जबकि भारत उन्हें अपना नागरिक मानता है। जम्मू संभाग के रामबन जिले में एक चुनावी रैली के दौरान राजनाथ सिंह ने भाजपा–पीडीपी गठबंधन सरकार का जिक्रकरते हुए कहा, महबूबा के नेतृत्व वाली सरकार के दौरान, हमने नाबालिगों और निर्दोष लोगों के खिलाफ मामले वापस ले लिए थे। लेकिन समस्या यह थी कि पीडीपी अलगाववादियों के प्रति सहानुभूति रखती थी। मैं हमेशा उनसे जमीनी हालात को नियंत्रण में लाने के लिए कहता था, लेकिन वह ऐसा नहीं कर सकी। जम्मू–कश्मीर के लोग भारत के स्वतंत्र नागरिक हैं और उन्हें शांति तथा समृद्धि का अधिकार है। रक्षा मंत्री ने कहा, इसके विपरीत, हाल ही में एक हलफनामे में पाकिस्तान के सॉलिसिटर जनरल ने पीओके के लोगों को विदेशी कहा था। हम उन्हें विदेशी नहीं कहते। वे हमारे लोग हैं। उन्हें आकर हमारे साथ जुड़ने दीजिए। जम्मू–कश्मीर में सरकार बनने के बाद, पीओके के लोग भारत में आकर शामिल होना चाहेंगे। उन्होंने जम्मू–कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला की इस बयान के लिए कड़ी आलोचना की कि अफज़ल गुरु को फांसी नहीं दी जानी चाहिए थी।राजनाथ सिंह ने कहा, उमर अब्दुल्ला ने कहा है कि अफज़ल गुरु को फांसी नहीं दी जानी चाहिए थी। मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि क्या वह चाहते थे कि अफजल गुरु को माला पहनाई जाए?केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वह पहली बार रामबन आए हैं, लेकिन लोगों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया है। उन्होंने दावा किया, मैं आप सभी का अभिवादन करता हूं। 10 साल बाद जम्मू–कश्मीर में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं। पूरा देश इस चुनाव के नतीजों पर नजर रख रहा है। मैं हाल ही में अमेरिका गया था और वहां प्रवासी भारतीयों ने मुझसे पूछा कि इन चुनावों में क्या होगा। मैंने उनसे कहा कि जम्मू–कश्मीर में भाजपा की सरकार बनेगी।उन्होंने कहा, यहां आने पर मैंने डॉ. जितेंद्र सिंह से जमीनी हालात के बारे में पूछा और उन्होंने मुझे बताया कि भाजपा के पक्ष में ऐसा अनुकूल राजनीतिक माहौल उनकी उम्मीदों से कहीं अधिक है। पहले जब भी कश्मीर में 2, 6 या 10 प्रतिशत मतदान होता था तो यह बड़ी खबर बन जाती थी। लोकसभा चुनाव में 58 प्रतिशत मतदान हुआ और लद्दाख में यह 72 प्रतिशत हो गया।

बंगाल सरकार ने मेडिकल कॉलेजों से रेजिडेंट डॉक्टरों का ब्योरा मांगा

कोलकाता ,पश्चिम बंगाल स्वास्थ्य विभाग ने एक अधिसूचना जारी कर राज्य के मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों से सभी रेजिडेंट डॉक्टरों के बारे में विस्तृत जानकारी मांगी है। राज्य स्वास्थ्य विभाग की ओर से मांगी गई जानकारी में पंजीकरण संख्या, आधार और पैन नंबर, मोबाइल नंबर और उनके शैक्षणिक रिकॉर्ड का विवरण शामिल है। रेजिडेंट मेडिकल ऑफिसर और सीनियर रेजिडेंट के पद ऐसे पद हैं जिन पर तैनात डॉक्टरों को अस्पताल की ड्यूटी के अलावा निजी प्रैक्टिस करने की अनुमति नही होती है।

राज्य स्वास्थ्य विभाग ने अभी तक विवरण मांगने के पीछे के कारण का खुलासा नही किया है, लेकिन पिछले महीने सरकारी आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल परिसर में एक जूनियर डॉक्टर के साथ हुए भयानक बलात्कार और हत्या के विरोध में जारी प्रदर्शनों के बीच चिकित्सा जगत में हलचल मचा दी है। चिकित्सा जगत के प्रतिनिधियों के अनुसार, यह अधिसूचना विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि हाल ही में दो सरकारी मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों से जुड़े दो रेजिडेंट मेडिकल ऑफिसर और एक सीनियर रेजिडेंट डॉक्टर को निलंबित किया गया था। ये तीनों डॉक्टर पश्चिम बंगाल मेडिकल काउंसिल के विवादास्पद पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष के करीबी थे।

अमेरिका के तीन दिवसीय दौरे पर राहुल गांधी

टेक्सास पहुंच बोले–मैं वास्तव में बहुत खुश हूं

नई दिल्ली , कांग्रेस नेता राहुल गांधी अमेरिका दौर पर हैं। तीन दिवसीय इस दौर में राहुल गांधी रविवार को टेक्सास के डलास पहुंचे, जहां भारतीय प्रवासी और इंडियन ओवरसीज कांग्रेस (आईओसी) के सदस्यों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। राहुल गांधी ने अपने सोशल मीडिया एकाउंट से कुछ तस्वीरें साझा की। उन्होंने लिखा टेक्सास के डलास में जो भारतीय प्रवासियों और इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के सदस्यों ने मेरा स्वागत किया, उससे मैं वास्तव में बहुत खुश हूं। राहुल ने पोस्ट में आगे लिखा, मैं इस यात्रा के दौरान सार्थक चर्चाओं और व्यावहारिक बातचीत में शामिल होने के लिए उत्सुक हूं, जो दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करेगा। बता दें कि 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद राहुल गांधी की यह पहली अमेरिका यात्रा है।राहुल गांधी 9–10 सितंबर को वाशिंगटन डीसी में आयोजित होने वाली कई महत्वपूर्ण बैठकों में हिस्सा लेंगे।इससे पहले, राहुल गांधी की यात्रा पर आईओसी प्रमुख सैम पित्रोदा ने कहा कि राहुल गांधी से बात करने के लिए यहां प्रवासी भारतीय, बिजनेस लीडर, छात्र, राजनीतिक नेता उत्सुक हैं।

फारूक अब्दुल्ला के बयान पर मुख्तार अब्बास नकवी का पलटवार

नई दिल्ली ,नेशनल कांफ्रेंस (एनसी) के नेता फारूक अब्दुल्ला के राम को बेचने वाले बयान पर भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने तीखा पलटवार किया है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि उनकी जो सोच है पूरे के पूरे चुनाव में बहुत खतरनाक है। मैं इसलिए खतरनाक कह रहा हूं कि जम्मू–कश्मीर के लोगों के सरोकार का जिन्होंने अपहरण किया है, जिन्होंने लोगों के सरोकार को हाईजैक करके दशकों रखा, वह लोग आज फिर से उसी एजेंडे के साथ और उसी सोच के साथ चुनावी मैदान में हैं। इसलिए जम्मू–कश्मीर के लोगों को समझना और सोचना होगा कि वह लोग जो लोगों का गठबंधन बनाकर के इक़ा हुए हैं, उनका इतिहास क्या रहा है? उनकी सोच क्या रही है? उनकी उपलब्धियां क्या रही हैं?बता दें कि इससे पहले फारूक अब्दुल्ला ने अपने एक बयान में कहा था कि भाजपा सिर्फ हिंदुओं को डराने की कोशिश कर रही है। भाजपा के नेता यह समझते हैं कि हिंदू उन्हें वोट देगा, पर मैं उन लोगों को यह बता देना चाहता हूं कि हिंदू अब वो हिंदू नहीं रहा है, जो उन लोगों की बात सुनेगा। इससे पहले उन्होंने राम को बेचने की कोशिश की। अब ये हिंदुओं को डराने की कोशिश कर रहे हैं। इसके बाद उन्होंने कहा कि घाटी में अनुच्छेद 370 हटने के बाद से आतंकवाद खत्म होने का भाजपा का दावा भी झूठा है।ज्ञात हो, इससे पहले जम्मू–कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रविवार को अपनी छठी लिस्ट जारी कर दी है।

उत्तरी वियतनाम में यागी तूफान से नौ लोगों की मौत, 186 घायल

हनोई , उत्तरी वियतनाम में भीषण तूफान यागी की वजह से अब तक नौ लोगों की मौत हो चुकी है और 186 लोग घायल हुये हैं। देश के कृषि और ग्रामीण विकास मंत्रालय ने यह जानकारी दी।पिछले 30 वर्षों में इस क्षेत्र में आए सबसे शक्तिशाली तूफान के कारण तटीय प्रांत क्वंग निन्ह से तीन, उत्तरी प्रांत हाई डुओंग से एक, बंदरगाह शहर हाई फोंग से एक और होआ बिन्ह के उत्तरी प्रांत से चार मौतों हुयी हैं। घायलों में 157 क्वंग निन्ह से, 13 हाई फोंग से, 10 हनोई से, पांच हाई डुओंग से और एक होआ बिन्ह से है।

रविवार की सुबह तक, क्वंग निन्ह में 25 मानवरहित जहाज़, मुख्य रूप से मछली पकड़ने वाली नावें, बड़ी लहरों और तेज़ हवाओं के कारण डूब गईं। क्वंग निन्ह, हाई फोंग, थाई बिन्ह, हाई डुओंग और हनोई के कई इलाकों में ब्लैकआउट का सामना करना पड़ा है क्योंकि तूफान ने कुछ ट्रांसफार्मर और ट्रांसमिशन लाइनों को क्षतिग्रस्त कर दिया है।

भाजपा को लेकर लोगों में गुस्सा, वोट से जवाब देगी प्रदेश की जनता : महबूबा मुफ्ती

अनंतनाग ,पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने रविवार को चुनाव अभियान के दौरान नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जम्मू–कश्मीर की जनता अब नेशनल कॉन्फ्रेंस से निराश और परेशान हो चुकी है। उन्होंने अनंतनाग में एक रैली के दौरान मीडिया से बात करते हुए कहा, मुफ्ती मोहम्मद सईद के विजन को जनता समझ चुकी है। पीडीपी की कार्यशैली से लोग वाकिफ हैं, हम जिस तेजी में काम करते हैं, वैसा काम नेशनल कॉन्फ्रेंस ने अपने 40 साल के कार्यकाल के दौरान भी नहीं किया है। पीडीपी ने साउथ कश्मीर में यूनिवर्सिटी, कॉलेज, एम्स और सडक़ें बनाईं। महबूबा मुफ्ती ने दावा करते हुए कहा, जम्मू–कश्मीर में आज वोट की जो इज्जत है, वो पीडीपी की वजह से है। मुफ्ती मोहम्मद सईद ने अगर पार्टी का गठन नहीं किया होता तो लोग आज भी नेशनल कॉन्फ्रेंस, यहां तानाशाही के माहौल में काम कर रही होती। प्रदेश की जनता अब नेशनल कॉन्फ्रेंस से निराश और परेशान हो चुकी है। उन्होंने भाजपा का जिक्र करते हुए कहा, भाजपा को लेकर लोगों में गुस्सा है, जो उन्होंने पांच साल पहले किया है, इसके कारण लोग उनकी नीतियों से नाराज हैं। इसलिए यहां की जनता वोट के माध्यम से अपना जवाब देगी। आपने रविंद्र रैना का बयान सुना होगा, जिस समय जम्मू–कश्मीर में तीन महीने के लिए भाजपा के साथ यहां सरकार बनी थी, उनके लोग ही हमारे दरवाजे पर आए थे। आप ही बता दीजिए कि इस दौरान हमारी ओर से किसी भी बड़े लीडर ने दिल्ली जाकर अमित शाह से मुलाकात की हो।

संपादकीय

मिलावटखोरी पर बेबस तंत्र

उत्तराखंड में मिलावटी पदार्थ की बिक्री रोकने के लिए खाद्य विभाग को व्यापक जिम्मेदारियां दी गई है लेकिन कुछ विशेष अवसरों को छोड़ दें तो विभाग की ओर से कभी कोई ऐसा बड़ा अभियान नजर नहीं आता है जो मिलावटी खाद्य एवं दूसरी वस्तुओं की बिक्री पर रोक लगाने में कारगर नजर आता हो। आज के भौतिक युग में सबसे बाजार मिलावटी वस्तुओं से भरा हुआ है और मिलावट के इस खेल में बड़े पैमाने पर लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है। आमतौर पर खाद्य विभाग खाद्य पदार्थों के सैंपल केवल विशेष त्यौहार जैसे होली, दिवाली रक्षाबंधन या फिर ईद के समय भरे जाते है लेकिन यह भी एक सत्य है कि इन सैंपल की रिपोर्ट कभी आती भी है या नहीं यह आम जनता को कभी पता ही नहीं चलता। उत्तराखंड के अंदर सभी बड़े नगरों में बड़े पैमाने पर दुग्ध पदार्थ में मिलावटखोरी का सबसे बड़ा बाजार है जिसकी सप्लाई पड़ोसी राज्यों से की जा रही है। विभाग और राज्य पुलिस द्वारा नकली पनीर, मावा और दूध जैसे उत्पाद पकड़े जाते हैं जिन्हें नष्ट करने तक ही जिम्मेदारियां सीमित हो जाती है। अभी पिछले दिनों भी खाद्य विभाग ने जनपद देहरादून में मिलावटी पदार्थों को लेकर अभियान चलाया था जिसके पीछे घरों से खानपान का व्यापार करने वाले लोगों को सतर्क करना था। नई व्यवस्था के तहत टिफिन और घरों से खाना पान व डिलीवरी करने वालों को भी खाद्य पदार्थों में शुद्धता एवं सफाई का खास ध्यान रखना होगा जिसे लेकर समय-समय पर उनके ठिकानों पर विभाग निरीक्षण भी करेगा। हालांकि आमतौर पर घरों से सप्लाई किए जाने वाले भोजन में शुद्धता की संभावना होटल व रेस्टोरेंट के अपेक्षा कहीं अधिक होती है। महत्वपूर्ण यह है कि प्रदेश भर में सप्लाई हो रहे मिलावटी पदार्थ पर रोक कैसे लगाई जाए? मिलावटी वस्तुओं का कारोबार बहुत बड़ा है जो बड़े पैमाने पर चप्पे चप्पे पर विद्यमान है। सबसे अधिक मिलावट दूध से बने पदार्थ में है जबकि अब शीतल पेय एवं मसाले तथा अनाज भी मिलावटी पदार्थ की श्रेणी में गिने जाने लगे हैं। मिलावटी वस्तुओं की सप्लाई और जमाखोरी रोकने के लिए खाद्य विभाग जो कार्रवाई करता है वह केवल औपचारिकता है और उनसे ना तो समाज को कभी कोई लाभ हुआ है और ना ही मिलावटखोरों पर कोई अंकुश ही लग पाया है।

अमेरिका की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाना चाहता है चीन?

राष्ट्रपति शी ने उम्मीद जताई कि अमेरिका, चीन के विकास को सकारात्मक दृष्टि से देखेगा और चीन के साथ मिलकर दोनों बड़े देशों के बीच मैत्री को बढ़ावा देगा। शी ने जोर देकर यह भी कहा कि चीन और अमेरिका दो बड़े देश हैं जिनकी ऐतिहासिक दृष्टि से, दोनों देशों की जनता के प्रति, और दुनिया के प्रति भी बड़ी जिम्मेदारी है और इन्हें विश्व शांति की खातिर, दुनिया के साझा विकास की प्रेरणा और स्थिरता का आधार बनना चाहिए। शी ने जो कहा उसमें आक्रामकता बिल्कुल भी नहीं थी और इसे आधिकारिक रूप से सार्थक एवं उपयोगी बताया गया। दोनों पक्ष इस बात के लिए भी राजी हुए कि आने वाले समय में शी तथा जो बाइडन के बीच फोन पर बातचीत करवाई जाए।

श्रुति व्यास

क्या जो बाइडन अपने उत्तराधिकारी की राह आसान बनाने की कोशिश कर रहे हैं? यह हो भी सकता है। क्या चीन, अमेरिका की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाना चाहता है? यह भी हो सकता है। अमेरिका के दोस्त देशों के साथ चीन के टकराव की आशंकाएं हैं और इनमें अमेरिकी सेना के उलझने का खतरा भी है। ऐसी ही एक घटना फिलिपीन्स व चीन के बीच विवादित सबीना शेओल के निकट हुआ टकराव था, जहां चीनी तटरक्षक जहाजों ने फिलीपीनी जहाजों को टक्कर मारी और उन पर पानी की बौछारों से हमला किया। ऐसा ही एक दूसरा चिंताजनक मसला ताईवान का है।

कुछ दिन पहले अमेरिकी राष्ट्रपति के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवन, जो पिछले चार सालों से वाशिंगटन की चीन नीति के निर्धारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, तीन दिन की यात्रा पर चीन गए। वहां उन्होंने राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की और वे चीन के सेन्ट्रल मिलिट्री कमीशन के उपाध्यक्ष झांग यूक्सिया से भी मिले, जो एक दुर्लभ मुलाकात थी। जैसा कि सुलिवन ने भी कहा "कोई अमेरिकी पिछले आठ वर्षों में ऐसा नहीं कर सका है"।

दोनों देशों के बीच तनाव घटाने की कोशिशों के बीच राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के रूप में सुलिवन की यह पहली बीजिंग यात्रा थी। अमेरिकी अधिकारियों ने दोनों देशों के संबंधों को "अत्यंत प्रतिस्पर्धात्मक" बताया।

ग्रेट हॉल ऑफ द पीपुल में हुई मुलाकात में सुलिवन और शी ने कई विषयों पर चर्चा की, जिनमें चीन और ताईवान के राजनैतिक और आर्थिक रिश्ते, रूस-यूक्रेन युद्ध और दक्षिण चीन सागर से संबंधित मसले शामिल थे।

इस बीच राष्ट्रपति शी ने उम्मीद जताई कि अमेरिका, चीन के विकास को सकारात्मक दृष्टि से देखेगा और चीन के साथ मिलकर दोनों बड़े देशों के बीच मैत्री को बढ़ावा देगा। शी ने जोर देकर यह भी कहा कि चीन और अमेरिका दो बड़े देश हैं जिनकी ऐतिहासिक दृष्टि से, दोनों देशों की जनता के प्रति, और दुनिया के प्रति भी बड़ी जिम्मेदारी है और इन्हें विश्व शांति की खातिर, दुनिया के साझा विकास की प्रेरणा और स्थिरता का आधार बनना चाहिए।शी ने जो कहा उसमें आक्रामकता बिल्कुल भी नहीं थी और इसे आधिकारिक रूप से सार्थक एवं उपयोगी बताया गया। दोनों पक्ष इस बात के लिए भी राजी हुए कि आने वाले समय में शी तथा जो बाइडन के बीच फोन पर बातचीत करवाई जाए।

लेकिन सुलिवन की झांग यूक्सिया से मुलाकात एक बड़ी घटना थी। ऐसी पिछली मुलाकात 2018 में अमेरिका के तत्कालीन रक्षा मंत्री जैम्स मैटिस और तत्कालीन उपाध्यक्ष जनरल शू किलिंग के बीच हुई थी। सुलिवन और झांग की बैठक उनके बीजिंग प्रवास के तीसरे और अंतिम दिन हुई, जिसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच चल रही होड़ को काबू में रखना था। झांग चीनी राष्ट्रपति शी के नजदीकी माने जाते हैं और उन्हें रक्षा मंत्री से अधिक ताकतवर बताया जाता है।

यह बैठक दोनों ताकतों के बीच राष्ट्रीय सुरक्षा, व्यापार और भू-राजनीति को लेकर विवादों के बीच भी चर्चा जारी रखने का प्रयास था। इसे सैन्य मामलों पर चर्चा को धीरे-धीरे दुबारा शुरू करने की दृष्टि से भी एक महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जो दो साल पहले अमेरिकी संसद की तत्कालीन स्पीकर नैन्सी पैलोसी की ताईवान यात्रा के बाद से बंद हो गयी थी।

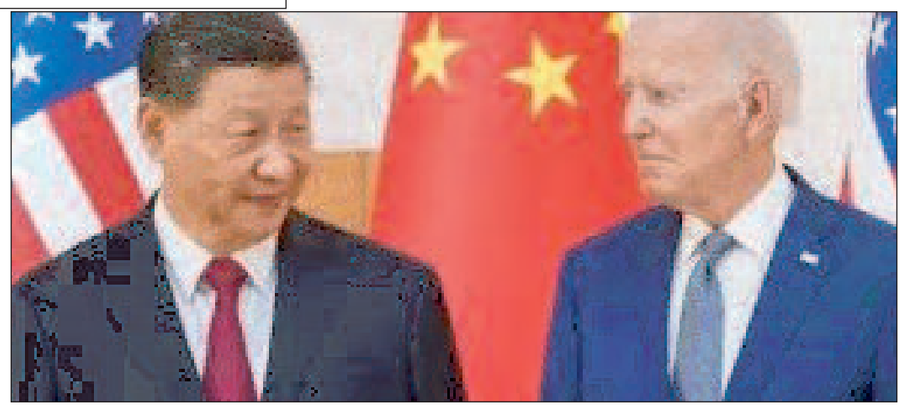

सैन्य मामलों में अमरीका का तर्क है कि दोनों देशों की वायुसेना और नौसेना के बीच कोई गलतफहमी न हो इसके लिए और अधिक खुला संवाद जरूरी है क्योंकि दोनों देशों की सेनाएं नियमित रूप से विवादग्रस्त इलाकों जैसे ताईवान स्ट्रेट और दक्षिण चीन सागर में गश्त लगाते रहते हैं।

चीनी विदेशमंत्री वांग ने सुलिवन से यह भी कहा कि स्वतंत्र ताईवान, क्षेत्रीय स्थिरता के लिए सबसे बड़ा खतरा है। उन्होंने अमेरिका से मांग की कि वह ताईवान को हथियार देने की बजाए चीन से उसके शांतिपूर्ण एकीकरण का समर्थन करे। इसके जवाब में सुलिवन ने ताईवान पर लगातार डाले जा रहे आर्थिक एवं सैन्य दबाव के प्रति चीन को आगाह किया। उन्होंने रूस के सैन्य उद्योग को चीन द्वारा दी जा रही सहायता और दक्षिण चीन सागर में फिलिपीन्स से चल रहे विवाद में उसकी अस्थितरता उत्पन्न करने वाली कार्यवाहियों को लेकर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने हाल में चीनी लड़ाकू विमानों द्वारा जापानी वायुक्षेत्र का उल्लंघन किए जाने का मुद्दा भी उठाया।

यह पहले से ही अपेक्षित था कि बैठक के दौरान तीखी बातें होंगी, क्योंकि दोनों बड़ी ताकतों के बीच की प्रतिस्पर्धा में गठबंधनों को लेकर खींचातानी भी शामिल है। लेकिन जो हम सबने देखा, उसकी अहमियत कम नहीं है। हाथ मिलाना, लम्बी बैठकें, राष्ट्रपतियों की फोन पर बातचीत करवाने का निश्चय झ इन सबसे इस यात्रा को दुनिया को इस बात का भरोसा दिलाने के एक अवसर के रूप में देखा जा सकता है कि वे चीन और अमेरिका उनके बीच टकराव के खतरे को कम करने के प्रयासों में जुटे हुए हैं। लेकिन यह भी साफ था कि रणनीतिक मामलों में उनके बीच मूलभूत मतभेद हैं। आखिरकार बड़ी ताकतें सिर्फ हाथ मिलाने और मीठी-मीठी कूटनीतिक चर्चाओं की वजह से अपने निर्णय नहीं बदलतीं। लेकिन सुलिवन की यात्रा से पद छोड़ने जा रहे राष्ट्रपति जो बाइडन के लिए बेहतर वातावरण बना है। वे चाहेंगे कि पद छोड़ते समय दोनों बड़ी ताकतों के बीच रिश्ते कलहपूर्ण न रहें।

संविधान के मजाक पश्चिम बंगाल से शुरू

संवैधानिक प्रक्रिया के तहत् उसे अपनी विधानसभा से प्रस्ताव पारित कर संसद तथा केन्द्र सरकार को पारित करवाने के लिए भेजना चाहिए था और उसे संसद से पारित होने तक प्रतीक्षा करनी चाहिए थी, उसके बाद संसद ही दण्ड प्रक्रिया कानून में संशोधन कराने की वैधानिक अधिकारी थी, किंतु यदि हमारी राज्य सरकारें इस तरह संसद व केन्द्र सरकार के अधिकार अपने हाथ में लेकर ऐसे प्रस्ताव पारित करेगी तो फिर हमारे संविधान का क्या महत्व रह जाएगा? और फिर हमारी प्रजातांत्रिक व्यवस्थाओं का क्या हश्र होगा? यह एक गंभीर विचार विमर्श का विषय है, जिस पर न सिर्फ केन्द्र व राज्य सरकारों बल्कि हमारे संविधान के जानकार विद्वानों को भी गंभीर विचार करना चाहिए, हमारे संविधान व कानून को राजनीतिक हथियार बनाना और उनके माध्यम से राजनीतिक लड़ाई लडऩा कहां तक उचित है?

ओमप्रकाश मेहता

भारतीय प्रजातंत्र में इससे बड़ा मजाक क्या होगा कि अब राज्य सरकारें संसद के अधिकारों पर अतिक्रमण कर संविधान में संशोधन अपनी विधानसभा के माध्यम से कराये? किंतु अब हमारे संविधान के साथयह मजाक शुरू हो गया है, जिसकी शुरूआत पश्चिम बंगाल की ममता सरकार ने कर दी है, इस राज्य की सरकार ने भारतीय दण्ड संहिता में संशोधन का अधिकार संसद की उपेक्षा कर अपने हाथों में ले लिया तथा दुष्कर्मियों को फांसी देने वाला संविधान संशोधन (दण्ड संहिता संशोधन) वाला प्रस्ताव अपनी विधानसभा से पारित करवा लिया और अब इसे राष्ट्रऊमति की मंजूरी के लिए भेजने का फैसला लेकर पुनः एक बार संसद के अधिकार पर अतिक्रमण की जुर्रत करने की तैयारी की जा रही है, यह भी कहा जा रहा है कि यह कानूनी संशोधन देश के सभी राज्यों पर लागू होगा, आखिर पश्चिम बंगाल सरकार यह सब हमारे संविधान की कौन सी धारा के तहत् करने जा रही है?

यह माना कि कलकत्ता में एक महिला चिकित्सक के साथ घटी घटना राष्ट्रीय शर्म का विषय है और उस पर राष्ट्रव्यापी आक्रोश व्यक्त करना भी सही है, लेकिन इसका मतलब यह तो नही कि पश्चिम बंगाल की सरकार अपनी विधानसभा में संवैधानिक दण्ड प्रक्रिया संहिता में संशोधन का प्रस्ताव पारित कर राष्ट्रपति की मंजूरी को भेज दे? संवैधानिक प्रक्रिया के तहत् उसे अपनी विधानसभा से प्रस्ताव पारित कर संसद तथा केन्द्र सरकार को पारित करवाने के लिए भेजना चाहिए था और उसे संसद से पारित होने तक प्रतीक्षा करनी चाहिए थी, उसके बाद संसद ही दण्ड प्रक्रिया कानून में संशोधन कराने की वैधानिक अधिकारी थी, किंतु यदि हमारी राज्य सरकारें इस तरह संसद व केन्द्र के अधिकार अपने हाथ में लेकर ऐसे प्रस्ताव पारित करेगी तो फिर हमारे संविधान का क्या महत्व रह जाएगा? और फिर हमारी प्रजातांत्रिक व्यवस्थाओं का क्या हश्र होगा?

यह एक गंभीर विचार विमर्श का विषय है, जिस पर न सिर्फ केन्द्र व राज्य सरकारों बल्कि हमारे संविधान के जानकार विद्वानों को भी गंभीर विचार करना चाहिए, हमारे संविधान व कानून को राजनीतिक हथियार बनाना और उनके माध्यम से राजनीतिक लड़ाई लडऩा कहां तक उचित है? क्या अब हमारे माननीय राजनेता और उनके राजनीतिक दल अपनी संवैधानिक मर्यादा भी भूल गए? जो उन्होंने संसद, विधानसभा और संविधान व कानून को राजनीतिक संघर्ष का हथियार बना लिया?

हमारे राजनेताओं व उनके दलों की इस 'करनी' को कौन सी श्रेणी में रखा जाए? क्या हमारे व्यक्तित्व, राजनीति और उसके साथ हमारी सोच का स्तर इतना गिर गया?

यह एक गंभीर चिंतनीय विषय है, जिस पर सभी को मिल-बैठ कर गंभीर विचार-विमर्श व चिंतन करना चाहिए।

आर्थिक चक्र कमजोर

अर्थव्यवस्था इस हद तक कैपेक्स पर निर्भर क्यों है? संकट के समय में आर्थिक हालात को संभालने के लिए यह रास्ता उचित माना जाता है। लेकिन सामान्य समय में भी यही तरीका बचा रहे, तो यही माना जाएगा सामान्य आर्थिक चक्रकमजोर हो चुका है।

चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में भारत के सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर में बड़ी गिरावट आई। उसके पहले वाली तिमाही में ये दर 7.8 प्रतिशत थी, जो अप्रैल-जून में 6.7 फीसदी रह गई। इसका कारण बताते हुए भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने कहा- 'यह गिरावट हमारी अपेक्षाओं के अनुरूप है। चुनाव और सरकारी पूंजी खर्च (कैपेक्स) में कमी आने के कारण जीडीपी वृद्धि दर में गिरावट अपेक्षित थी।' लेकिन इस पर जोर देने की जरूरत है कि ऐसी अपेक्षा रहना ही आज भारतीय अर्थव्यवस्था की सबसे बड़ी कमजोरी है। आखिर अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर इस हद तक कैपेक्स पर निर्भर क्यों है? और इस तरह सरकार कब तक आर्थिक वृद्धि की ऊंची दर बनाए रख सकेगी? सरकार जो रकम खर्च कर रही है, वह या तो किसी अन्य मद में कटौती करके या फिर ऋण लेकर जुटाया जाता है। संकट के समय में आर्थिक हालात को संभालने के लिए यह रास्ता उचित माना जाता है। लेकिन सामान्य समय में भी यही तरीका अर्थव्यवस्था की रीढ़ बना रहे, तो उसका सीधा अर्थ यह समझा जाएगा कि मांग- उपभोग- निजी निवेश- उत्पादन- बिक्री और मुनाफे का चक्रकमजोर हो चुका है।

किसी भी सोच के नजरिए से यह स्वस्थ स्थिति नहीं है। वैसे खुद नागेश्वरन ने ऐसे कई आंकड़ों का जिक्रकिया, जिनसे भारतीय अर्थव्यवस्था की कमजोरी जाहिर होती है। मसलन, उन्होंने बताया कि 2023-24 में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश गिर कर 26.6 बिलियन डॉलर रह गया, जबकि 2022-23 में यह 42 बिलियन डॉलर से ज्यादा था। उधर कृषि वृद्धि दर गिर कर दो प्रतिशत रह गई, जबकि 2023-24 की पहली तिमाही में यह 3.7 फीसदी थी। इन आंकड़ों के बावजूद नागेश्वर ने यह दावा दोहराते रहे कि भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत हाल में है और आने वाला समय बेहतर रहेगा। यह मुश्किलों या कमजोरियों पर परदा डालने की अधिकतम कोशिश के वर्तमान सरकार के नजरिए के अनुरूप ही है। मगर इससे समस्याएं हल नहीं हो जातीं। आज इस बात पर गंभीर बहस-मुबाहिशे की जरूरत है कि निजी निवेश का चक्का क्यों रफ्तार नहीं पकड़ रहा है?

आलिया भट्ट की जिगरा के टीजर की रिलीज डेट का एलान, सामने अभिनेत्री के इंटेंस लुक पोस्टर्स

बॉलीवुड की गंगूबाई मौजूद साल में अपनी इकलौती फिल्म जिगरा से आ रही हैं. फिल्म में आलिया भट्ट के जिम्मेदार बहन का रोल प्ले करने जा रही हैं. सुहाना खान की डेब्यू फिल्म द आर्चीज में नजर आए एक्टर वेदांग रैना फिल्म में आलिया भट्ट के भाई का रोल प्ले करेंगे. फिल्म का टीजर और कई पोस्टर पहले ही रिलीज हो चुके हैं और अब आलिया भट्ट ने जिगरा के टीजर-ट्रेलर की डेट का एलान किया है. इसी के साथ फिल्म से आलिया भट्ट के पोस्टर भी सामने आए हैं.आलिया भट्ट ने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम पर फिल्म से पोस्टर शेयर कर लिखा है, दम है....सत्य में दम है. जिगरा टीजर ट्रेलर 8 सितंबर को रिलीज होगा. पोस्टर की बात करें तो इसमें आलिया भट्ट के अंदाज से लग रहा है कि फिल्म में दमदार एक्शन भी देखने को मिल सकता है. पोस्टर में आलिया भट्ट स्ट्राइप शर्ट पहने इंटेंस लुक दे रही हैं, और पीछे एक विशाल ड्रैगन दिख रहा है, ड्रैगन के बड़े और नुकीलें दात हैं, इस पोस्ट को देखकर लगता है कि आलिया फिल्म में बड़ी मशक्कत करने वाली हैं, पोस्टर से प्रतीत होता है कि यह इसमें बड़ा सस्पेंस दिखने वाला है.

बता दें, वासन बाला ने इस फिल्म जिगरा को डायरेक्ट किया है. वहीं, करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले फिल्म बनी है, जिसके सह-निर्माता एटरनल सनशाइन प्रोडक्शंस है. फिल्ण आगामी 11 अक्टूबर को दशहरा के मौके पर रिलीज होने जा रही है. वहीं, इससे एक दिन पहले साउथ सुपरस्टार रजनीकांत की एक्शन-कॉमेडी फिल्म वेट्टैयन रिलीज होने जा रही है. तमिल सुपरस्टार सूर्या की फिल्म पीरियड ड्रामा फिल्म जिगरा भी इस दिन रिलीज होने जा रही है, लेकिन अटकलों की मानें तो फिल्म की रिलीज डेट बदल चुकी है.

वीडी 12 में किस भूमिका में दिखेंगे विजय देवरकोंडा? जानकर फैंस हो जाएंगे खुश

विजय देवरकोंडा इन दिनों अपनी फिल्म वीडी 12 (अस्थाई नाम) को लेकर लगातार सुर्खियों में हैं। फिल्म का निर्देशन गौतम तिन्नानुरी कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेता इन दिनों तेजी से फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि जल्द ही उनकी इस फिल्म की शूटिंग पूरी होने वाली है।

इस बीच वीडी 12 को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फिल्म में विजय पुलिस कॉन्स्टेबल की भूमिका निभाते हुए नजर आने वाले हैं। पिछले काफी समय से यह चर्चा थी कि फिल्म में उन्हें पुलिसवाले के रूप में दिखाया जा सकता है।

टेस्ट में पहली बार न्यूजीलैंड से भिड़ेगी अफगानिस्तान टीम

नई दिल्ली। अफगानिस्तान क्रिकेट टीम और न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम पहली बार टेस्ट मैच खेलने जा रही हैं। दोनों टीमों के बीच ग्रेटर नोएडा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स ग्राउंड में टक्कर होगी। यह मुकाबला 9 सितंबर से शुरू होगा और 13 सितंबर तक खेला जाएगा।

6 देशों के साथ खेला टेस्ट

अफगानिस्तान 7वीं टीम के विरुद्ध टेस्ट खेलने के लिए तैयार है। इससे पहले अफगान टीम ने 6 देशों के साथ टेस्ट मैच खेला है। ऐसे में आइए जानते हैं कि इन देशों के खिलाफ और टेस्ट में अफगानिस्तान टीम का अब तक प्रदर्शन कैसा रहा है।

अब तक खेले 9 टेस्ट मैच

टेस्ट प्लेइंग नेशन का दर्जा मिलने के बाद अफगानिस्तान ने अब तक 9 टेस्ट मैच खेले हैं। इस दौरान टीम को 3 में जत मिली है और 6 में हार का सामना करना पड़ा है। अफगानिस्तान ने आयलैंड, जिम्बाब्वे और बांग्लादेश के खिलाफ 2-2 वहीं भारत, वेस्टइंडीज और श्रीलंका के खिलाफ 1-1 टेस्ट मैच खेला है।

अब तक खेले 9 टेस्ट में अफगानिस्तान का प्रदर्शन

अफगानिस्तान ने अपना पहला टेस्ट मैच भारत के खिलाफ जनवरी 2018 में खेला था।

इस मैच को भारत ने पारी और 262 रन से जीता था।

अफगानिस्तान ने अपने दूसरे टेस्ट में आयरलैंड को 7 विकेट से हराया था।

बांग्लादेश के खिलाफ अपने तीसरे टेस्ट को अफगान टीम ने 224 रन से जीता था।

चौथे टेस्ट में अफगानिस्तान को वेस्टइंडीज के हाथों 9 विकेट से हार मिली थी।

अपने 5वें टेस्ट में अफगानिस्तान टीम को जिम्बाब्वे (10 विकेट) से हार का सामना करना पड़ा था।

छठे टेस्ट में अफगानिस्तान ने जिम्बाब्वे को 6 विकेट से मात दी थी।

7वें टेस्ट में बांग्लादेश ने अफगानिस्तान को 546 रन से रौंदा था।

अपने 8वें टेस्ट में अफगानिस्तान टीम श्रीलंका से 10 विकेट से हार गई थी।

9वें टेस्ट में अफगान टीम को आयरलैंड ने 6 विकेट से हराया था।

थलापति विजय की फिल्म गोट ने की बंपर ओपनिंग, वर्ल्डवाइड कमाए 126 करोड़, बनी तमिल की सबसे बड़ी ओपनर

थलापति विजय ने साल 2024 की अपनी पहली फिल्म ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम से धमाका मचा दिया है. इससे पहले साल 2023 में इसी समय में रिलीज हुई फिल्म लियो से विजय ने बॉक्स ऑफिस पर कमाई का अंबार लगाया था. वहीं, ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम ने अपनी रिलीज का एक दिन पूरा कर लिया है. ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम ने ओपनिंग डे पर शानदार कलेक्शन किया है. ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम बीती 5 सितंबर को वर्ल्डवाइड रिलीज हुई है. आइए जानते हैं फिल्म ने पहले दिन कितना कलेक्शन किया है.थलापति विजय की फिल्म ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम ने पहले दिन घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 43 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया है. इसमें फिल्म ने अपने घर तमिलनाडू में सबसे ज्यादा 38.3 करोड़ रुपये कमाए हैं. फिल्म ने तेलुगू में 3 करोड़ और हिंदी में 1.7 करोड़ का कलेक्शन किया है. ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम की पहली दिन की कमाई का यह आंकड़ा सैकनिल्क ने जारी किया है.ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम ने एडवांस बुकिंग में ग्लोबली 50 करोड़ रुपये से ज्यादा का कलेक्शन किया है. वहीं, यूएस में एडवांस बुकिंग में टिकट सेल कर 5.5 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की है. गोट ने वर्ल्डवाइड 126.32 करोड़ रुपये के ग्रॉस कलेक्शन से खाता खोला है. विजय की लियो ने वर्ल्डवाइड 142 करोड़ रुपये से खाता खोला था. इंडिया में लियो ने 64.8 करोड़ रुपये ओपनिंग की थी, जिसका रिकॉर्ड ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम नहीं तोड़ पाई है.

दो साल बाद टेस्ट में वापसी करेंगे ऋषभ पंत!

नई दिल्ली। वनडे और टी20क में वापसी कर चुके ऋषभ पंत टेस्ट टीम में भी वापसी को तैयार हैं। बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए संभवतः सोमवार, 9 सितंबर को भारतीय टेस्ट टीम की घोषणा हो सकती है। ऐसे में ऋषभ पंत की वापसी हो सकती है। वनडे और टी20क में शानदार प्रदर्शन के बाद पंत फिलहाल दलीप ट्रॉफी में इंडिया-बी का हिस्सा हैं। क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार, ऋषभ पंत की वापसी लगभग तय मानी जा रही है। हालांकि, 19 सितंबर से शुरू हो रहे पहले टेस्ट मैच की प्लेइंग इलेवन में उनकी जगह बनेगी या नहीं यह टीम मैनेजमेंट, कप्तान रोहित और कोच गौतम गंभीर पर निर्भर करेगा। पंत ने आखिरी बार टेस्ट मैच बांग्लादेश के ही खिलाफ दिसंबर, 2022 में खेला था। यही नहीं पंत को ध्रुव जुरेल से भी चुनौती मिल सकती है। ऋषभ की अनुपस्थिति में जुरेल ने इंग्लैंड के खिलाफ धमाकेदार प्रदर्शन किया था।

आकाशदीप को मिल सकती है जगह

पंत के अलावा, इस साल मार्च में धर्मशाला में इंग्लैंड के खिलाफ भारत में आखिरी टेस्ट खेलने वाली टीम में कुछ बदलाव की उम्मीद है। रजत पाटीदार को छोड़कर अधिकांश बल्लेबाजों को टीम में बरकरार रखा जा सकता है। तेज गेंदबाजी आक्रमण में जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज शामिल होंगे। दलीप ट्रॉफी में इंडिया बी के खिलाफ इंडिया ए के लिए नौ विकेट लेकर प्रभावित करने वाले आकाशदीप तीसरे तेज गेंदबाज हो सकते हैं।

ऐसा हो सकता है स्पिन खेमा

आर अश्विन, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव की स्पिन जोड़ी को रिटर्न किया जा सकता है। साथ ही अक्षर पटेल को रिजर्व स्पिनर के रूप में चुना जा सकता है। हालांकि, चयनकर्ताओं के सामने मुख्य सवाल बल्लेबाजी लाइन-अप होगी। कप्तान रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल और विराट कोहली के बाद चयनकर्ताओं को 15 सदस्यीय टीम के लिए दो या तीन और बल्लेबाजों की आवश्यकता होगी।

मुनाफे का लालच, लुटा रहे मेहनत की कमाई

● कोटद्वार शहर में कमेटी के नाम पर चला रहा जुआ ● करोड़ों की धनराशि लेकर फरार हो चुके हैं कमेटी संचालक

कोटद्वार की कोतवाली जहां आए दिन कमेटी के नाम पर ठगे लाने वाले लोग पहुंचते हैं।

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः मुनाफे का लालच आपकी जीवन भर की कमाई डुबा सकता है। दरअसल, क्षेत्र में कमेटी के नाम पर जुएं का खेल चल रहा है। आए दिन कमेटी संचालक लोगों को चूना लगा कर फरार हो रहे हैं और आमजन मामूली लालच में कमेटी संचालकों के चंगुल से आजाद नहीं हो पा रहा। लालच उस ब्याज का दिया जाता है, जो कमेटी संचालक आमजन को देते हैं। डूबने के बाद कमेटी में पैसा लगाने वाले केवल कोतवाली के चक्कर ही काटते रहते हैं। यहां तक की अब तक करोड़ों रुपये लेकर भागने वाले कई कमेटी संचालक पुलिस के हत्थे तक नहीं चढ़ा पाए हैं।

हाल ही में पुलिस ने एक व्यापारी को गिरफ्तार किया, जो कमेटी के नाम पर लोगों को लाखों रूपए का चूना लगाकर फरार हो गया था। लोगों को अभी तक धनराशि तो वापस नहीं मिली। लेकिन, व्यापारी की गिरफ्तारी के बाद लोगों को यह उम्मीद जग गई है कि शायद उनका डूबा हुआ पैसा वापस मिल जाए। यह कोई पहला मामला नहीं कि जब कमेटी के नाम पर आमजन को चूना लगा हो। इससे पूर्व भी कई मर्तबा आमजन को दो-ढाई प्रतिशत मासिक ब्याज का लालच देकर कमेटी संचालन लोगों का पैसा लेकर फरार हो चुका है। लेकिन, सरकारी सिस्टम इस ओर से पूरी तरह आंखें मूंदे बैठा है।

पुलिस इस पूरे गोरखधंधे को गैरकानूनी तो बताती है। लेकिन, कार्यवाही के नाम कोई शून्य ही नजर आता है।

ब्याज का दिया जाता है लालच

कमेटी संचालक अपनी कमेटी से जुड़े लोगों को उनकी धनराशि पर प्रतिमाह दो-ढ़ाई प्रतिशत ब्याज देने का लालच देते हैं। जबकि बैंकों में प्रतिमाह का ब्याज काफी न्यून होता है। आमजन ब्याज के खेल में अपनी धनराशि लुटा देते हैं। सूत्रों की माने तो कई कमेटी संचालक कमेटी के नाम पर एकत्र धनराशि को अन्य कमेटी में लगाते हैं व खुद भी मुनाफा कमाते हैं। यहां यह भी बातना बेहद जरूरी है कि कमेटी संचालन का कार्य पूरी तरह गैरकानूनी है।

भगवान राम के चरित्र को जीवन में अपनाएं: गोपालमणि

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः श्री गोपाल गौलोक धाम सेवा संस्थान के तत्वावधान मे पांच दिवसीय श्री राम कथा धेनुमानस गौ टीका प्रारम्भ हुई। इस दौरान कथावाचक गोपालमणि महाराज ने श्रद्धलुओं को भगवान राम के चरित्र को जीवन में अपनाने के लिए कहा।

रविवार को श्री बालाजी मंदिर से गोविंदनगर स्थित कथा स्थल तक कलाश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा में सैकड़ों महिलाएं शामिल हुई। महिलाएं पूरे रास्ते राम नाम का जाप कर रही थी। इसके उपरांत हुई कथा में गोपाल मणि ने कहा कि आज हमें अपने जीवन में भगवान राम के चरित्र को धारण करने की आवश्यकता है।

भगवान से महल के सारे सुख त्यागकर अपना आधा जीवन वन में काटा। उन्होंने अभिभावकों को भी अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा देने की अपील की। कहा कि बच्चों को बेहतर शिक्षा मिलने से ही बेहतर समाज का निर्माण होगा। इस मौके पर गोपाल कृष्ण अग्रवाल, महावीर सिंह रावत, गोपाल बंसल, राजेंद्र जखमोला, कैलाश चन्द्र अग्रवाल, जसपाल सिंह रावत, गिरीश जखमोला, राजेंद्र पुरोहित, अनुसूया मुंडेपी, सरस्वती कोठारी आदि मौजूद रहे।

कोटद्वार में कलश यात्रा निकालते कथावाचक गोपालमणि महाराज

वाहन संचालकों ने दी चक्काजाम की चेतावनी

जयन्त प्रतिनिधि।कोटद्वारः जीएमओयू प्रबंधन की ओर से 15 वर्ष की अवधि पूर्ण करने वाले वाहनों को संचालन से बाहर करने पर संबंधित वाहन स्वामी भड़क गए हैं। इस संबंध में वाहन स्वामियों ने एसडीएम सोहन सिंह सैनी के माध्यम से डीएम पौड़ी को ज्ञापन भेजा। उन्होंने मांगों पर कार्रवाई नहीं होने पर 10 सितंबर से जीएमओयू कार्यालय में धरना–प्रदर्शन शुरू करने और 11 सितंबर से चक्काजाम करने की चेतावनी दी है। ज्ञापन में कहा गया है कि वे सभी वाहन स्वामी व चालक भी हैं। कंपनी ने 15 वर्ष पूर्ण करने वाले वाहनों को संचालन से बाहर कर दिया है, जबकि सरकार की ओर से उन वाहनों के भी रखरखाव के आधार पर फिटनेस प्रमाणपत्र जारी किए जा रहे हैं। अन्य कंपनियों में भी 15 वर्ष पूर्ण करने वाले वाहनों का संचालन किया जा रहा है। वहीं वाहनों का संचालन नहीं होने से उन्हें आर्थिक तंगी से जूझना पड़ रहा है। प्रबंधन की ओर से उनकी मांगों पर ध्यान न देने के कारण उन्हें चक्का जाम पर बाध्य होना पड़ रहा है। इसके अलावा ज्ञापन में कंपनी के वार्षिक चुनाव पूर्व की तरह मतदान से कराने, कोर्ट का निर्णय आने तक कंपनी संचालकों के चुनाव पर रोक लगाने, चुनाव समिति को भंग करने, कंपनी में पुराने वाहनों के संचालन पुनः शुरू करवाने, कंपनी में छोटे वाहनों के संचालन पर रोक लगाने और वाहन स्वामियों का दो प्रतिशत कमीशन उन्हें वापस करने की मांग भी की गई है। ज्ञापन सौंपने वालों में सुरेंद्र सिंह रावत, प्रदीप सिंह रावत, विनोद कुमार, धर्म सिंह, मातबर सिंह रौथाण, घिरेश चंद्र चौधरी, कोमल सिंह, केशर सिंह, मनोहर सिंह, गणेश भट्ट, मदन सिंह और राकेश भट्ट आदि शामिल रहे।

गिद्ध बचाने का लिया संकल्प

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः पक्षी परिवार उत्तराखंड की ओर से खिणीखाल ब्लॉक के दुर्गम गांव तोल्यूडांडा में रविवार को गिद्ध बचाओ अभियान के तहत गोष्ठी का आयोजन किया गया।

गोष्ठी में गिद्धों को बचाने के लिए सामूहिक प्रयास की आवश्यकता बताते हुए सभी से इस मुहिम में जुड़ने का आह्वान किया गया। गोष्ठी में वर्ष 2010 से गिद्धों को बचाने में जुटे और पक्षी परिवार के संयोजक शिक्षक दिनेश चंद्र कुकरेती ने कहा कि गिद्धों की दस प्रजातियों में से अब केवल तीन प्रजातियां ही देखी जा रही हैं। उन्होंने ग्रामीणों से मरे जानवर के शरीर में कीटनाशक का प्रयोग न करने की अपील भी की। ग्राम प्रधान हरेंद्र सिंह रावत ने इस संबंध में शिक्षक दिनेश कुकरेती के प्रयासों की सराहना की। इंटर कॉलेज चैड़ चैनपुर के प्रधानाचार्य धनपाल सिंह रावत ने कहा कि शिक्षक दिनेश कुकरेती के प्रयासों से क्षेत्र में गिद्ध दिखाई दे रहे हैं और इनकी संख्या में वृद्धि भी हुई है।

समय आ गया है कि हमें इस पक्षी को बचाने के लिए कार्य करना होगा। गोष्ठी में प्रेम सिंह रावत, राज दर्शन मैंदोला, संदीप रावत, संतन सिंह, नरेंद्र सिंह, कांति रावत, बीना देवी, आरती देवी, दीपा देवी और दिगपाल सिंह सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

शिवपुर में नहीं थम रही गुलदार की धमक

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः शिवपुर मोहल्ले में गुलदार की धमक थमने का नाम नहीं ले रही। आए दिन गुलदार आबादी क्षेत्र में घूमता हुआ दिखाई दे रहा है। कुछ दिन पूर्व गुलदार ने क्षेत्र के एक घर में बैठे पालतू कुत्ते को भी निवाला बना दिया था। गुलदार की दहशत में जी रहे क्षेत्रवासियों का शाम ढलते ही घरों से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया है।

शिवपुर का अधिकांश भाग लैंसडौन वन प्रभाग कोटद्वार रेंज से सटा हुआ है। ऐसे में क्षेत्र में लगातार गुलदार की धमक बढ़ती जा रही है। कुछ दिन पूर्व गुलदार ने घर के आंगन में बैठे एक पालतू कुत्ते को भी अपना निवाला बना दिया था। यह घटना घर के आंगन में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी। वार्डवासियों का कहना है कि आए दिन गुलदार पालतू जानवरों को अपना निवाला बना रहा है। ऐसे में घरों

में रहने वाले बच्चों व बुजुर्गों को भी खतरा बना हुआ है। वार्डवासियों ने वन विभाग से गुलदार के आतंक से निजात दिलवाने की मांग की है। कहा कि यदि समय पर गुलदार को कैद नहीं किया गया तो कोई भी बड़ी घटना हो सकती है।

हिमालय प्रतिज्ञा लेकर हिमालय के हित में काम करने का संकल्प लिया

नई टिहरी। हिमालय बचाओ अभियान को लेकर रविवार को भी खासा उत्साह लोगों में देखने को मिला। विभिन्न संगठनों और एनजीओ के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने हिमालय प्रतिज्ञा लेते हुए हिमालय के सरोकारों को संरक्षित करने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि हिमालय प्राणवायु का आधार है। जीवन के संरक्षण के लिए हिमालय का संरक्षित होना जरूरी है। रविवार को हिमालय बचाओ अभियान के तहत भू–कानून व मूल निवास को लेकर आंदोलनरत उत्तराखंड संयुक्त संघर्ष समिति के पदाधिकारियों और कर्यकर्ताओं ने भारी संख्या में हिमालय प्रतिज्ञा लेकर हिमालय के हित में काम करने का संकल्प लिया। ऐसे सभी कामों को न करने का संकल्प लिया। जिससे हिमालय को नुकसान पहुंचता है। एसआरटी परिसर के लाइब्रेरी विभाग के हेड आफ डिपार्टमेंट डा. हंसराज बिष्ट ने हिमालय प्रतिज्ञा दिलाई। ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय में बीके अनीता रानी 100 अधिक कार्यकर्ताओं को शपथ दिलाते हुए हिमालय के प्रति संकल्पित किया। रानीचौरी में राड्स संस्था के कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों को राड्स के अध्यक्ष सुशील बहुगुणा ने हिमालय प्रतिज्ञा दिलाते हुए हिमालय के हित में काम करने को प्रेरित किया। जबकि किशोर न्याय बोर्ड से जुड़े सामाजिक कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने नई टिहरी में हिमालय प्रतिज्ञा लेते हुए हिमालय के सराकारों के लिए काम करने का निर्णय लिया। इस मौके पर मनोज नकोटी, रंजीता थपलियाल, विनीता उनियाल, जगदीश बडोनी, रवीश चमोली, अरूफी रावत, सुखदेव बहुगुणा, कुमुद उनियाल, नरेश चौहान आदि मौजूद रहे। जबकि उत्तराखंड संयुक्त संघर्ष समिति में प्रतिज्ञा लेने वालों में डा. राकेश भूषण गोदियाल, चंडी प्रसाद डबराल, राजेंद्र सिंह असवाल, कमल सिंह महर, देवेंद्र नौडियाल, प्रवीन सिंह भंडारी, उम्मेद सिंह, साब सिंह सजवाण, शक्ति प्रसाद जोशी, नरेश पैन्यूली सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

पांचवी बार अरव गुसांई बास्केटबाल में करेंगे प्रतिभाग

नई टिहरी। माउंट कार्मेल स्कूल चंबा में कक्षा 10 में अध्ययनरत छात्र जौनपुर ब्लाक के सुनाऊनिवासी अरव गुंसाई आईसीएसई बोर्ड के तत्वावधान में ग्रेटर नोएडा में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय बॉस्केटबाल चैंपियनशिप में उत्तराखण्ड–उत्तर प्रदेश राज्य की संयुक्त टीम की ओर से प्रतिभाग कर जौहर दिखाएंगे।

अंडर–17 बालक वर्ग की राष्ट्रीय बॉस्केटबाल प्रतियोगिता 20 से 25 सितम्बर तक यूपी के ग्रेटर नोएडा में आयोजित होगी। अरव गुंसाई इससे पूर्व भी चार बार आईसीएसई बोर्ड की और से राष्ट्रीय बास्केटबॉल चैंपियनशिप में प्रतिभाग कर चुके हैं। इस प्रतियोगिता में राकेश सिंह कंडारी भी अरव के साथ बतौर प्रशिक्षक भाग लेंगे।

अरव की उपलब्धि पर धनोल्टी विधायक प्रीतम सिंह पंवार, भाजपा के मंडल अध्यक्ष पृथ्वी रावत, डीसीबी के पूर्व अध्यक्ष सुभाष चंद रमोला, जौनपुर महोत्सव समिति के अध्यक्ष विरेंद्र राणा, पूर्व पालिका अध्यक्ष मनमोहन सिंह मल्ल, सुनील सजवाण, शैलेंद्र मल्ल ने खुशी जताते हुए उनसे बेहतर प्रदर्शन करने की उम्मीद जताई है।

हिमालय दिवस पर देवली गाँव के जल स्रोत को किया पुनर्जीवित

श्रीनगर गढ़वाल। हिमालय दिवस के अवसर पर प्राकृतिक जल स्रोत संरक्षण और उत्तराखण्ड का खान–पान एक अभियान के बैनर तले कीर्तिनगर ब्लाक के ग्राम स्थित देवली गांव में लम्बे समय से बंद पड़े प्राकृतिक जल स्रोत को पुनर्जीवित किया गया।

इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता देवेन्द्र गौड़ और उड़ीसा से आए समाज सेवी सिद्धार्थ व देवी महापात्रा के सहयोग से धारे को पुर्नजीवित किया गया। देवेन्द्र ने बताया कि 14 अगस्त 2023 को हुई बारिश के कारण रानीहाट में प्राचीन जलस्रोत पुरी तरह मलबे से दब गया था।

कार्यशाला में अर्थ गंगा की अवधारणा पर मंथन

नई टिहरी। मसूरी वन प्रभाग के नमामि गंगे परियोजना की पहल पर पर्यटन स्थल धनोल्टी क्षेत्र में पारिस्थितिकी और ईको टूरिज्म के विकास के लिए जलज परियोजना के तहत कार्यशाला आयोजित की गई।

जिसमें एनएमसीजी (नेशनल मिशन फॉर क्लीन गंगा), डब्ल्यूआईआई (भारतीय वन्यजीव संस्थान) के विशेषज्ञों ने जरूरी परामर्श दिए। कार्यशाला का उद्देश्य नदी और लोगों के बीच बेहतर संबंध स्थापित कर अर्थ गंगा की अवधारणा को साकार करना था। इको पार्क धनोल्टी में आयोजित कार्यशाला का वन संरक्षक यमुना वृत कहकशां नसीम, डीएफओ अमित कंवर, जलज परियोजना की सीनीयर प्रोजेक्ट असिस्टेंट अंजना शर्मा, प्रोजेक्ट साइंटिस्ट सौरव गवन ने शुभारंभ किया।

कार्यशाला में मसूरी वन प्रभाग के कार्मिकों के साथ ही वन क्षेत्र के विशेषज्ञों, स्वयं सहायता समूहों और इको पार्क के सदस्यों ने शिरकत की। कार्यशाला विशेषज्ञों ने स्थानीय संसाधनों के समुचित उपयोग और सतत् विकास के उपाय, पर्यटकों के लिए आकर्षण बढ़ाने के तरीकों की जानकारी दी। वहीं नदी संरक्षण और पर्यावरणीय स्थिरता को लेकर भी जागरूक किया गया। स्थानीय समुदायों को इको–टूरिज्म से आर्थिक लाभ पहुंचाने पर वृहद चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि इससे न केवल क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता को संरक्षित करने मे मदद मिलेगी, बल्कि स्थानीय लोगों को रोजगार और आर्थिकी को मजबूत करने में सहयोग मिलेगा। अंजना शर्मा ने जलज परियोजना की पृष्ठभूमि बताई। सौरव गवन ने जलज परियोजना का उद्देश्य और योगदान बताया। वन संरक्षक यमुना वृत्त कहकशां नसीम ने गांवों के स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने पर जोर दिया। इस मौके एसडीओ दिनेश चंद्र नौडियाल, वन क्षेत्राधिकारी लाखीराम आर्य, लतिका उनियाल, ईको पार्क समिति के सचिव मनोज उनियाल, कुलदीप नेगी, प्रमोद बंगवाल, सुशील गौड़, उर्मिला चौहान, सुनीता, अनिल सिंह, राजेश कुमार, आरती पंवार, सुप्रिया रावत आदि मौजूद थे।

कार्यालय, अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, दुगड्डा

उत्तराखण्ड लोक निर्माण विभाग

पत्रांकः- 3497/18ए0सी0 दिनांकः- 06/09/2024

अतिअल्पकालीन निविदा सूचना

माननीय राज्यपाल, उत्तराखण्ड की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु सील्ड निविदा दि0 12/09/2024 को अपराह्न 03:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 09/09/2024 से 11/09/2024 तक किसी भी कार्य दिवस में निम्नलिखित कार्यालयों से प्राप्त किये जा सकते है तथा दिनांक 12/09/2024 को अपरान्ह 03:00 बजे तक इन्हीं कार्यालयों में डाले जा सकते हैं :-

1- अधीक्षण अभियन्ता, 12 वां वृत्त, लो0नि0वि0, पौड़ी। 2- अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, दुगड्डा।
3- अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 लैन्सडौन। 4- अधिशासी अभियन्ता, अस्थाई खण्ड, लो0नि0वि0, ऋषिकेश।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	धरोहर धनराशि (रू0 में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू0 में)	निविदा की वैधता	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदारों की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7
1	वार्षिक अनुरक्षण मद के अन्तर्गत नालीखाल-पोखरीखेत मोटर मार्ग के कि0मी0 1 से 7 में पैच मरम्मत का कार्य।	30,000.00	1,000.00+ जी0एस0टी0	60 दिन	01 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
2	वार्षिक अनुरक्षण मद के अन्तर्गत चिल्लरखाल-सिगड्डी-कोटद्वार-पाखरो मोटर मार्ग के कि0मी0 13 से 16 में पैच मरम्मत का कार्य।	14,000.00	500.00+ जी0एस0टी0	60 दिन	01 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
3	वार्षिक अनुरक्षण मद के अन्तर्गत चिल्लरखाल-सिगड्डी-कोटद्वार-पाखरो मोटर मार्ग के कि0मी0 17 से 37 में पैच मरम्मत का कार्य।	45,000.00	1,500.00+ जी0एस0टी0	60 दिन	01 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
4	वार्षिक अनुरक्षण मद के अन्तर्गत निम्न मोटर मार्गों में पैच मरम्मत का कार्य। (क)-सिद्धबली-कुम्भीचौड मोटर मार्ग के कि0मी0 1 से 4 (ख)-सनेह-कुम्भीचौड़ मोटर मार्ग कि0मी0 1 से 4 (ग)-हॉटीकल्चर से खड़ी नहर मोटर मार्ग कि0मी0 1 से 3 (घ)-लालपानी मुख्य मार्ग से गुरूरामराय शहीद स्मारक मोटर मार्ग	36,000.00	1,500.00+ जी0एस0टी0	45 दिन	01 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
5	वार्षिक अनुरक्षण मद के अन्तर्गत पदमपुर-सिम्मलचौड़ मोटर मार्ग में पैच मरम्मत का कार्य। (लम्बाई 3.00 कि0मी0)	14,000.00	500.00+ जी0एस0टी0	45 दिन	01 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
6	वार्षिक अनुरक्षण मद के अन्तर्गत सुखरौ-घराट-देवीमन्दिर मोटर मार्ग में पैच मरम्मत का कार्य। (लम्बाई 1.90 कि0मी0)	9,000.00	500.00+ जी0एस0टी0	45 दिन	01 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
7	वार्षिक अनुरक्षण मद के अन्तर्गत बांसी-बोरगांव-गजवाड़ मोटर में पैच मरम्मत का कार्य। (लम्बाई 5.50 कि0मी0)	25,000.00	1,000.00+ जी0एस0टी0	45 दिन	01 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
8	वार्षिक अनुरक्षण मद के अन्तर्गत मेरठ-पौड़ी राज्य मार्ग के कि0मी0 138 से लालपुर-कलालघाटी-नयाबाद मोटर मार्ग के कि0मी0 1 से 8 में पैच मरम्मत का कार्य।	36,000.00	1,500.00+ जी0एस0टी0	45 दिन	01 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
9	वार्षिक अनुरक्षण मद के अन्तर्गत हल्दूखाता-कण्वाश्रम मोटर मार्ग के कि0मी0 1 से 3 में पैच मरम्मत का कार्य।	9,000.00	500.00+ जी0एस0टी0	45 दिन	01 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
10	वार्षिक अनुरक्षण मद के अन्तर्गत कौडिया-किमसार मोटर मार्ग में पैच मरम्मत का कार्य।	24,000.00	1000.00+ जी0एस0टी0	45 दिन	01 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
11	वार्षिक अनुरक्षण मद के अन्तर्गत नालीखाल-बनचुरी-नैल-कपोलकाटल मोटर मार्ग कि0मी0 37 से 43 एवं कि0मी0 61 से 62 में पैच मरम्मत का कार्य।	66,000.00	2000.00+ जी0एस0टी0	45 दिन	01 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
12	वार्षिक अनुरक्षण मद के अन्तर्गत स्व0 जगमोहन सिंह नेगी (एस0एच0 9) मोटर मार्ग के कि0मी0 61 से 76 में पैच मरम्मत का कार्य।	15,000.00	500.00+ जी0एस0टी0	45 दिन	01 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
13	वार्षिक अनुरक्षण मद के अन्तर्गत निम्न मोटर मार्गों का पैच मरम्मत कार्यः-(क) ढौंटियाल-चपड़ेत-बसड़ा मोटर मार्ग के 17 से 18 में पैच मरम्मत का कार्य। (ख) बसड़ा-बरई-रथुवाढाब मोटर मार्ग के कि0मी0 7 से 8 में पैच मरम्मत का कार्य।	21,000.00	1,000.00+ जी0एस0टी0	45 दिन	01 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
14	वार्षिक अनुरक्षण मद के अन्तर्गत काण्डाखाल-चैलूसैण मोटर मार्ग के कि0मी0 1 से 15 में पैच मरम्मत का कार्य।	45,000.00	1500.00+ जी0एस0टी0	45 दिन	01 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
15	वार्षिक अनुरक्षण मद के अन्तर्गत किशनपुर-झण्डीचौड़ मोटर मार्ग के कि0मी0 1 से 2 में पैच मरम्मत का कार्य।	15,000.00	500.00+ जी0एस0टी0	45 दिन	01 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
16	वार्षिक अनुरक्षण मद के अन्तर्गत मदनपुर डाडामण्डी सनेयाखाल मोटर मार्ग के कि0मी0 1 से 5 में पैच मरम्मत का कार्य।	30,000.00	1000.00+ जी0एस0टी0	45 दिन	01 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
17	वार्षिक अनुरक्षण मद के अन्तर्गत पीपलकोटी से नीलकण्ठ मोटर मार्ग के कि0मी0 1 से 5 में पैच मरम्मत का कार्य।	36,000.00	1500.00+ जी0एस0टी0	45 दिन	01 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
18	वार्षिक अनुरक्षण मद के अन्तर्गत झण्डीचौड़ पूर्वी से पंचायत घर से जनपद बिजनौर सीमा से हल्दूखाता मोटर मार्ग के कि0 मी0 1 से 2 में पैच मरम्मत का कार्य।	15,000.00	500.00+ जी0एस0टी0	45 दिन	01 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
19	वार्षिक अनुरक्षण मद के अन्तर्गत किशनपुरी झण्डीचौड़ मोटर मार्ग पर स्थित पंचायत घर से अवतार सिंह के मकान से हरपाल सिंह के मकान तक पैच मरम्मत का कार्य।	15,000.00	500.00+ जी0एस0टी0	45 दिन	01 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
20	वार्षिक अनुरक्षण मद के अन्तर्गत स्व0 जगमोहन सिंह नेगी (एस0एच0 9) मोटर मार्ग के कि0मी0 115 से 139 में पैच मरम्मत का कार्य।	60,000.00	1500.00+ जी0एस0टी0	45 दिन	01 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।

निविदा दिनांक 13/09/2024 को पूर्वाह्न 11:00 बजे उपस्थित निविदादाताओं अथवा अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, दुगड्डा में कार्यालय में खोली जायेगी। अन्य शर्तें निविदा पत्र के साथ देखी जा सकेगी। किसी भी निविदा को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार सक्षम अधिकारी के पास सुरक्षित होगा।

अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0
दुगड्डा (गढ़वाल)

एक नजर

29 सितंबर को होंगे सुखरौ देवी मंदिर समिति के चुनाव

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार: रविवार को सिद्धपीठ सुखरौ देवी मंदिर समिति की तदर्थ समिति की बैठक आयोजित की गई। जिसमें निर्णय लिया गया कि मंदिर समिति के चुनाव 29 सितंबर को करवाए जाएंगे। इसके लिए समिति के सदस्यों को जिम्मेदारी भी दी गई। तदर्थ समिति के सदस्य अमित सजवाण, जीपी सेमवाल, मायाराम पुरोहित व डा. चंद्रमोहन बड़थ्वाल ने बताया कि समिति के चुनाव के लिए 26 सितंबर को सुबह दस बजे से दोपहर एक बजे तक नामांकन किया जाएगा, 27 सितंबर को सुबह दस बजे से एक बजे तक नामांकन पत्रों की जांच व नाम वापिसी की प्रक्रिया की जाएगी। 29 सितंबर को सुबह आठ बजे से लेकर दोपहर एक बजे तक मतदान किया जाएगा, इसी दिन सांय तीन से बजे से मतगणना पर परिणाम घोषित किया जाएगा।

बिगड़ रही कानून व्यवस्था पर भड़के कांग्रेसी

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी: रविवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदेश में बिगड़ती कानून व्यवस्था का आरोप लगाते हुए डीएम कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर प्रदेश सरकार का पुतला फूंका। इस दौरान कांग्रेसियों ने प्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। रविवार को प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस के जिलाध्यक्ष विनोद नेगी ने कहा कि प्रदेश सरकार हर मोर्चे पर फेल हो गई है। कहा कि आए दिन महिलाओं से छेड़छाड़ के मामले सामने आ रहे हैं। आरोप लगाया कि सरकार दोषी नेताओं को बचाने का प्रयास कर रही है। प्रदर्शन करने वालों में महिला जिलाध्यक्ष नीलम रावत, योगेंद्र कुमार, भरत सिंह नेगी, यशोदा नेगी, गोपाल आदि शामिल थे।

महेश चंद्र बने अध्यक्ष

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार: प्रखंड नैनीडांडा में अतिथि शिक्षक संघ की खुली बैठक में कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से महेश चंद्र को अध्यक्ष व महेश चंद्र सिंह को सचिव बनाया गया। अन्य पदों पर मुकेश चंद्र को उपाध्यक्ष संजीव सुंद्रियाल को कोषाध्यक्ष बनाया गया। प्रमोद कुमार को सह सचिव, विकास कुमार को मीडिया प्रभारी व दलीप मुंडेपी को संरक्षक का दायित्व दिया गया।

मुझे मेरे जनपद में एक भी बच्चा भिक्षावृत्ति करता न दिखे : डीएम

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बंसल की अध्यक्षता में ऋषिपर्णा सभागार में देर सांय भिक्षावृति मुक्त देहरादून के संबंध में बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि देहरादून शहर में कोई बच्चा भिक्षावृति करता न दिखे इस दिशा में प्रभावी कदम उठाए जाएं। भिक्षावृति एवं बाल मजदूरी करते बच्चों को रेस्क्यू कर मुख्य धारा, शिक्षा के सार्वांगीण विकास से जोड़े। वाहन के माध्यम से निरंतर पेट्रोलिंग करते हुए भिक्षावृति करते बच्चों को रेस्क्यू करें।

जिलाधिकारी ने भिक्षावृत्ति पर रोक लगाने हेतु प्रतिदिन अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला प्रोबेशन अधिकारी को निर्देशित कि भिक्षावृति करते तथा सड़क पर घुमतु बच्चों को रेस्क्यू करने हेतु वाहन का प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे। यह वाहन शहर में घूमकर बच्चों को रेस्क्यू कर सीडब्ल्यूसी में लाएंगे। जल्द ही जनपद में दो पैट्रोलिंग वाहन का शुभारंभा किया जाएगा।

जिलाधिकारी ने भिक्षावृति पर रोक हेतु मोबाइल यूनिट बढ़ाने के निर्देश जिला प्रोबेशन अधिकारी को दिए। मुख्य शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए कि इन्टेंशिप केयर सेंटर का प्रस्ताव बनाए, उक्त सेंटर में बच्चों के लिए इस प्रकार से शैक्षिण वातावरण तैयार करेगें जिससे बच्चे उक्त परिवेश के प्रति आकर्षित हो सकें जिससे बच्चों का खिचाव स्कूल एवं अन्य क्रिमाक्लाप के प्रति हो। इस दिशा में प्रभावी कार्य करने हेतु उपस्थित सीडब्लूसी के पदाधिकारी, आसरा ट्रस्ट, सपर्मण सोसायटी, सहित अन्य संगठन के पदाधिकारी एवं मुख्य शिक्षा अधिकारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी, श्रम विभाग, बाल विकास विभाग, समाज कल्याण, पुलिस आदि सम्बन्धित विभाग द्वारा सहमति जाहिर करते हुए सराहनीय पहल बताया गया।

कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग की स्थिति सुधारने की मांग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार: शहरवासियों ने कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग की मरम्मत करवाने की मांग की है। कहा कि बदहाल पड़े राष्ट्रीय राजमार्ग पर हर समय दुर्घटनाओं का अंदेशा बना रहता है।

समस्या के संबंध में मोहन सिंह, रजत कुमार ने केंद्रीय मंत्री नितिन गड़करी को पत्र भेजा। बताया वर्षा काल के बाद से राष्ट्रीय राजमार्ग बदहाल पड़ा हुआ है। जगह-जगह पहाड़ी से बोल्डर गिर रहे हैं। कई स्थानों पर राष्ट्रीय राजमार्ग का पुश्ता ही गायब हो चुका है। पग-पग पर राष्ट्रीय राजमार्ग वाहन चालकों को डरा रहा है। बताया कि पूर्व में बदहाली के कारण कई वाहन चालक अपनी जान भी गंवा चुके हैं। कहा कि यह राष्ट्रीय राजमार्ग मैदान से पहाड़ को जोड़ता हैं। इसलिए यात्रा को बेहतर बनाने के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग की मरम्मत करवाई जानी चाहिए।

श्रद्धालुओं ने गणेश पूजा कर सुख समृद्धि मांगी

ऋषिकेश। तीर्थनगरी ऋषिकेश में गणेश महोत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है। विभिन्न मंदिरों और घरों में गणेश प्रतिमा की स्थापना कर पूजा शुरू की गई है। रविवार को मंदिरों में गणेश पूजन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। ऋषिकेश में गणेश महोत्सव के तहत मंदिरों की सजावट की गई है। गणेश महोत्सव के तहत गणेश की प्रतिमाएं स्थापित कर उनकी पूजा अर्चना श्रद्धालु कर रहे हैं। रविवार को त्रिवेणी घाट पर गणेश चतुर्थी के अवसर पर पंडाल लगाकर गणेश प्रतिमा स्थापित की गई। यहां पंडित भानू मिश्रा के सानिध्य में श्रद्धालुओं ने गणेश पूजन किया। भानू मिश्रा ने कहा कि गणेश चतुर्थी पर सर्वार्थ सिद्धि योग और रवि योगा का संयोग रहता है। पूजा अनुष्ठान और धर्म कर्म के कार्य के लिए यह अति शुभ समय माना जाता है। शाम के समय महोत्सव स्थल पर भजन संध्या हुई। जिसमें गणेश भजनों से पंडाल में उपस्थित लोग झूम उठे। उधर गोपाल मंदिर में भी गणेश पूजन श्रद्धालुओं ने किया।

स्वच्छता अभियान चलाया

एम्स ऋषिकेश के कार्डियोलोजिस्ट विभाग ने गणेश उत्सव पर स्वच्छता अभियान चलाया। जिसके तहत एम्स के चिकित्सकों और मेडिकल स्टूडेंट ने एम्स परिसर से लेकर आस्था पथ तक साफ सफाई की। कार्यक्रम में पहुंची निवर्तमान मेयर अनिता ममगाईं ने कहा कि गणेश महोत्सव पर स्वच्छता संदेश देना वाकई शानदार पहल है। मौके पर विभाग की प्रमुख डॉ. भानु दुग्गल, सहायक प्राध्यापक डॉ. प्रियवंदना, डॉ. सतीश, डॉ. रूपेन्द्र, डॉ. कणिका, डॉ. किशन, डॉ. आकाश, डॉ. रूपिंदर कौर, जितेंद्र, राजकुमारी जुगलान, विजय लक्ष्मी भट्ट, असर्फी रणावत आदि उपस्थित रहे।

मूल निवास व भूकानून को लेकर समिति की बैठक, सीएम से मिलने का निर्णय

नई टिहरी। उत्तराखंड संयुक्त संघर्ष समिति की रविवार को एक बैठक मूल निवास व भू-कानून को लेकर राजेंद्र सिंह असवाल की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में निर्णय लिया गया कि समिति गठित कर सर्वदलीय बैनर तले जनपद के सभी 6 विधायकों और जनप्रतिनिधियों से समन्वय बनाकर मुख्यमंत्री से मुलाकात कर सुप्रीम कोर्ट के भू-कानून आदेश को लागू करने की मांग की जाएगी। स्थाई निवास को खत्म कर मूल निवास लागू करने की भी मांग की जाएगी। मूल निवास के लिए 1950 को आधार बनाने को लेकर सरकार पर दवाब बनाया जाएगा। रविवार को बौराड़ी के मिलन केंद्र में समिति की बैठक में मूल निवास व सख्त भूकानून की मांगों को लेकर सभी ने सर्वसम्मति व्यक्त की। वक्ताओं ने कहा कि स्थायी निवास और बाहरी लोगों की पहाड़ी की भूमि पर बेहताशा खरीद से उत्तराखंडियत की पहचान को खतरा पैदा हो गया है। जिसे रोकने के लिए जरूरी कदम उठाने की जरूरत है। बैठक में बाहरी लोगों को जमीन बेचने वालों को सचेत व जागृत करने का भी निर्णय हुआ। इसके साथ ही स्थानीय बोली-भाषा, स्थानीय उत्पादों, सहित भूमि की महत्ता को लेकर भी मंथन कर ठोस कदम उठाने के लिए निर्णय लिया गया।

सनातन धर्म पर चोट करने वालों को जरूरी है जवाब देना : महाराज

-यूपी के कृषि मंत्री बोले महाराज ने रखी समाज को जोड़ने की बुनियाद

देहरादून। सनातन धर्म जो पूरे विश्व के कल्याण की बात करता है उस पर प्रहार करने वालों को जवाब देने के लिए उत्तर प्रदेश सहित अन्य स्थानों में होने वाले उपचुनावों में भाजपा को जीता कर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हमें और अधिक ताकत देनी है। उक्त बात प्रदेश पर्यटन, धर्मस्य एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने रविवार को अयोध्या के मिल्कीपुर स्थित विद्या मंदिर डिग्री कॉलेज परिसर में आयोजित सद्भावना सम्मेलन में कहीं। उन्होंने कहा कि यह सद्भावना सम्मेलन इसलिए हो रहा है कि आज हमें अपने परिवार, गांव, शहर, जनपद, राज्य और अपने देश

में सद्भावना चाहिए, ताकि सभी लोग सदभाव के साथ मिलजुल कर रहें। लेकिन यह तभी संभव है जब पूरे विश्व का कल्याण चाहने वाले सनातन धर्म पर चोट करने वालों को लोकतांत्रिक ढंग से जवाब दिया जाए। सद्भावना सम्मेलन में शिरकत करते हुए उत्तर प्रदेश के कृषि, कृषि शिक्षा और कृषि अनुसंधान मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि सतपाल महाराज ने समाज को जोड़ने की बुनियाद रखी, लेकिन कुछ लोग उसे तोड़ने का काम कर रहे हैं। अनेक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय शक्तियां हमारे सनातन धर्म पर आघात कर रही हैं। भारतीय संस्कृति और परंपराओं पर चोट पहुंचाने का प्रयास हो रहा है। ऐसी परिस्थितियों में सतपाल महाराज सद्भावना सम्मेलन के जरिए धर्म की स्थापना का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने आयोजन के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रदेश की जनता की ओर शुभकामनाएं भी दी।

इस अवसर पर रुदौली विधायक रामचंद्र यादव, भाजपा जिला अध्यक्ष संजीव सिंह, जिला उपाध्यक्ष कृष्ण प्रताप पांडे सहित महाराज को सुनने के लिए बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

कार्यालय, अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, दुगड्डा।

उत्तराखण्ड लोक निर्माण विभाग

पत्रांकः- 3418/18ए0सी0 दिनांकः- 02/09/2024

अल्पकालीन निविदा सूचना

माननीय राज्यपाल, उत्तराखण्ड की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु सील्ड निविदा दि0 19/09/2024 को अपराह्न 03:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 09/09/2024 से 18/09/2024 तक किसी भी कार्य दिवस में निम्नलिखित कार्यालयों से प्राप्त किये जा सकते है तथा दिनांक 19/09/2024 को अपरान्ह 03:00 बजे तक इन्हीं कार्यालयों में डाले जा सकते हैं :-

1- अधीक्षण अभियन्ता, 12 वां वृत्त, लो0नि0वि0, पौड़ी। 2- अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, दुगड्डा।
3- अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 लैन्सडौन। 4- अधिशासी अभियन्ता, अस्थाई खण्ड, लो0नि0वि0, ऋषिकेश।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	धरोहर धनराशि (रू0 में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू0 में)	निविदा की वैधता	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदारों की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7
1	जिला योजना के अन्तर्गत नाथूखाल हर्षू मण्डगांव मोटर मार्ग से राजकीय ऐलोपैथिक चिकित्सालय नाथूखाल (हर्षू) तक सी0सी0 मार्ग, पुश्ता एवं नाली निर्माण कार्य।	30,000.00	1000.00+ जी0एस0टी0	60 दिन	03 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
2	जिला योजना के अन्तर्गत चम्बल कण्डी (सनेह) मोटर मार्ग के कि0मी0 1 में क्षतिग्रस्त भाग का मरम्मत कार्य।	27,000.00	1000.00+ जी0एस0टी0	60 दिन	03 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
3	जिला योजना के अन्तर्गत चरेख धरगांव मोटर मार्ग से पाली तक मोटर मार्ग का निर्माण कार्य।	18,000.00	1000.00+ जी0एस0टी0	60 दिन	02 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
4	जिला योजना के अन्तर्गत ग्राम उनियाल दमराडा के सार्वजनिक सम्पर्क मार्ग का सुधारीकरण का कार्य।	18,000.00	1000.00+ जी0एस0टी0	60 दिन	02 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
5	जिला योजना के अन्तर्गत विकास खण्ड यमकेश्वर के अन्तर्गत मांगथा पीपलडांगी से राजस्व ग्राम अट्टा सी0सी0 मार्ग सुरक्षा हेतु स्टोन एवं पक्की नाली का निर्माण कार्य।	30,000.00	1000.00+ जी0एस0टी0	60 दिन	03 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
6	जिला योजना के अन्तर्गत ग्राम पंचायत मांगथा के अन्तर्गत प्राथमिक विद्यालय मांगथा हेतु सी0सी0 कार्य एवं सुरक्षा दीवार निर्माण कार्य।	30,000.00	1000.00+ जी0एस0टी0	60 दिन	03 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
7	जिला योजना के अन्तर्गत बल्ली मथाणा मोटर मार्ग से ग्राम मैतीकाटल तक अवशेष मोटर मार्ग का ग्राम तक मोटर मार्ग का निर्माण कार्य।	21,000.00	1000.00+ जी0एस0टी0	60 दिन	02 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
8	जिला योजना के अन्तर्गत छोटा भेल्डा यात्री शेड से नदी तक सड़क चौड़ीकरण व सुधारीकरण कार्य।	21,000.00	1000.00+ जी0एस0टी0	60 दिन	02 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
9	जिला योजना के अन्तर्गत सिमलना बिचला से मथाणा तक सड़क निर्माण कार्य।	21,000.00	1000.00+ जी0एस0टी0	60 दिन	02 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
10	जिला योजना के अन्तर्गत नालीखाल से थलनदी तक मोटर मार्ग पर चौड़ीकरण व सुधारीकरण कार्य।	21,000.00	1000.00+ जी0एस0टी0	60 दिन	02 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
11	जिला योजना के अन्तर्गत निम्बूचौड़ मुख्य मार्ग से रणजीत सिंह रावत के घर तक 500 मी0 मोटर मार्ग का निर्माण।	33,000.00	1500.00+ जी0एस0टी0	60 दिन	03 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।

निविदा दिनांक 20/09/2024 को पूर्वाह्न 11:00 बजे उपस्थित निविदादाताओं अथवा अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, दुगड्डा में कार्यालय में खोली जायेगी। अन्य शर्तें निविदा पत्र के साथ देखी जा सकेगी। किसी भी निविदा को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार सक्षम अधिकारी के पास सुरक्षित होगा।

अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0
दुगड्डा (गढ़वाल)

डिबेट में वंशिका और गायन में अवंत रहे अव्वल

ऋषिकेश। ओमकारानंद इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी के नौ दिवसीय रजत जयंती महोत्सव के दूसरे दिन रविवार को विभिन्न प्रतियोगिताएं हुईं, जिसमें 14 विद्यालयों के 130 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

डिबेट में वंशिका और एकल गायन में अवंत सिंह ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। मुनिकीरेती स्थित ओआईएमटी में आयोजित सिल्वर जुबली महोत्सव के दूसरे दिन का शुभारंभ संस्थान के निदेशक डॉ. प्रवीण कुमार राठी ने किया। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिताओं से बच्चों को प्रतिभा दिखाने के लिए एक मंच मिलता है और उनके अंदर का आत्मविश्वास बढ़ता है। इस दौरान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस समय की आवश्यकता और चुनौतियाँ विषय पर आयोजित डिबेट प्रतियोगिता में आर्मी पब्लिक स्कूल रायवाला की वंशिका ने प्रथम, आश्वि ने द्वितीय, स्वामी दयानंद सरस्वती पब्लिक स्कूल की अंजलि गिरी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। एकल गायन में एनडीएस के छात्र अवंत सिंह, मॉर्डन स्कूल के गौरव खंडूरी, टीएचडीसी हाई स्कूल की मुस्कान धीमान ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। एकल नृत्य में संस्कार सृजन स्कूल की शांति ने प्रथम, पूर्णानंद पब्लिक स्कूल की आकृति शर्मा ने द्वितीय व संस्कार सृजन स्कूल की मीनाक्षी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पोस्टर मेकिंग में स्वामी दयानंद सरस्वती स्कूल के गगनदीप एवं कृष्णा यादव प्रथम रहे। टीएचडीसी हाई स्कूल प्रगति पुरम की अंजलि और तान्या ने द्वितीय और निर्मल ज्ञानदीप अकादमी की शिवानी भट्ट एवं सलोनी राजभर ने तृतीय स्थान पर प्राप्त किया। रंगोली में स्वामी दयानंद सरस्वती स्कूल ने प्रथम, टीएचडीसी हाई स्कूल ने द्वितीय और संस्कार सृजन सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। ग्रुप डांस में स्वामी दयानंद स्कूल, संस्कार सृजन स्कूल, सामूहिक गायन में स्वामी दयानन्द सरस्वती स्कूल, श्री भरत मंदिर पब्लिक स्कूल ने क्रमशः प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

घनसाली के खोला गांव तक जल्द पहुंचेगी सड़क

नई टिहरी, घनसाली विधानसभा क्षेत्र के सड़क सुविधा से वंचित खोला गांव के ग्रामीणों को भी जल्द आवागमन की सुविधा मिलेगी। सरकार ने खोला गांव के लिए चार किमी सड़क स्वीकृत करते हुए निर्माण कार्य शुरू करवा दिया है। ऐसे में अब उम्मीद है आने वाले पांच-छह माह में ग्रामीणों को सड़क सुविधा मिलेगी। सड़क निर्माण कार्य शुरू होने पर ग्रामीणों ने खुशी व्यक्त करते हुए सरकार का आभार जताया। रविवार को जिला पंचायत सदस्य नरेंद्र रावत, प्रधान सरिता देवी, भाजपा मंडल अध्यक्ष कविता तिवारी, पूर्व अध्यक्ष नत्थी सिंह नेगी, प्रधान संगठन के ब्लॉक अध्यक्ष दिनेश भजनियाल ने पूजा अर्चना कर सड़क निर्माण कार्य की शुरुआत कराई। ग्रामीणों ने सड़क निर्माण कार्य शुरू होने पर खुशी व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और क्षेत्रीय विधायक शक्ति लाल शाह का आभार जताया। घनसाली के खोला गांव के करीब 100 परिवार सड़क से वंचित थे। ग्रामीण सड़क के अभाव में दो से तीन किमी पैदल चलने को मजबूर थे। ग्रामीणों को शादी से लेकर गांव में स्वास्थ्य खराब होने पर बिमार व्यक्ति को सड़क तक पहुंचाने में खासी परेशानी उठानी पड़ती थी। साथ ही सड़क न होने के कारण गांव से पलायन कर रहे थे। एक करोड़ 53 लाख की लागत से बनने वाली सड़क का लोनिवि घनसाली ने निविदा प्रक्रिया पूरी कर सड़क निर्माण कार्य शुरू करवा दिया। इस संबंध में लोनिवि के अधिशासी अभियंता डीसी नौटियाल का कहना है कि सड़क निर्माण कार्य शुरू हो गया है। करीब छह माह के अंदर सड़क कटिंग का कार्य पूरा कराया जाएगा।

पूर्व सैनिकों की बैठक में चुनाव पर चर्चा

नई टिहरी। पूर्व सैनिक संगठन की बैठक में शासन-प्रशासन की ओर से पूर्व सैनिकों, आश्रितों के लिए संचालित योजनाओं पर चर्चा की गई। इस दौरान संगठन के चुनावों पर भी चर्चा हुई। जिसके लिए इस माह के अंत तक तिथि का निर्धारण कर नई कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा। रविवार को चंबा के एक होटल में आयोजित बैठक में पूर्व सैनिक संगठन के जिलाध्यक्ष देव सिंह पुंडीर ने कहा की पूर्व सैनिकों के कल्याण के लिए संगठन अनवरत कार्य करता रहेगा। जौनपुर ब्लॉक के पूर्व सैनिक गोपाल सकलानी ने कहा कि संगठन के सभी सदस्यों को विश्वास में लेकर ही चुनाव कराया जाए। दर्मियान सिंह सजवाण ने कहा कि संगठन अच्छा कार्य कर रहा है। कृष्णा ममगाईं ने कहा कि संगठन के माध्यम से ही शासन-प्रशासन के सम्मुख बात रख सकते हैं। दीवान सिंह कुंवर ने कहा कि सरकार को चाहिए कि पूर्व सैनिकों को आयकर से मुक्त रखे। पारिवारिक आय में कमाने वाले बच्चों की आय न जोड़ी जाय।

छात्रों ने स्थापना दिवस पर दी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

नई टिहरी। स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट कैटरिंग टेक्नोलॉजी एंड एप्लाइड न्यूट्रीशन नई टिहरी ने रविवार को 10 वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां से लेकर क्विज और पेंटिंग प्रतियोगिता में भी शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। रविवार को होटल मैनेजमेंट संस्थान के स्थापना दिवस का जिला पर्यटन विकास अधिकारी टिहरी सोबत सिंह राणा और पर्यटन अधिकारी पौड़ी केएस नेगी ने दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि पर्यटन विकास परिषद के तत्वावधान में संस्थान होटल मैनेजमेंट की सुलभ, गुणवत्तापरक शिक्षा दे रहा है। छात्रों को चाहिए कि बेहतर प्रशिक्षण लेते हुए बड़े होटल संस्थानों और कॉरपोरेट हाउस में नौकरी के लिए अभी से तैयारी कर लें। सहायक प्रोफेसर व शैक्षिक प्रभारी कुलदीप सिंह, प्रदीप नेगी ने 2015 से शुरू हुए संस्थान की उपलब्धियां बताईं। कहा कि प्रशिक्षण के साथ ही छात्रों को एनएसएस, जिला प्रशासन की ओर से आहुत होने वाले कार्यक्रमों में प्रतिभाग करने मौका दिया जाता है। प्रशिक्षणार्थियों ने ग्रुप डांस, हिंदी, गढ़वाली, जौनसारी गीतों की रंगारंग प्रस्तुति, चिट निकालकर विभिन्न गतिविधियां की। संस्थान के बीएचएमसीटी तृतीय सेमेस्टर के छात्रों ने नव प्रवेशित छात्रों को फेशर पार्टी दी। इस मौके पर जसवंत जयाडा, हितेश रमोला, दीपक रावत, गौरव ममगाईं, राजेश पंवार, अनिल टम्टा, मुकेश बर्त्वाल, लक्ष्मी रावत, हितेश बिष्ट, बलवंत नेगी, अजीत चौहान, उषा भंडारी, मंजू रमोला, रेखा रमोला, अमर कठैत आदि मौजूद थे।

कांग्रेस का भाजपा सरकार के खिलाफ प्रदर्शन

ऋषिकेश। प्रदेश में महिलाओं के साथ बढ़ते अत्याचार सहित अन्य मामलों पर कांग्रेस ने कड़ी नाराजगी जताई है। रविवार को अठूरवाला में कांग्रेसियों ने भाजपा सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर नारेबाजी की।

आरोप लगाया कि प्रदेश में कानून व्यवस्था फेल हो चुकी है।

टीएचडीसी आईएचईटी के तीन छात्र बूट कैंप में करेंगे शिरकत

नई टिहरी। टीएचडीसी इंस्टीट्यूट ऑफ हाइड्रो पावर इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के सिविल इंजीनियरिंग के चौथे वर्ष के तीन छात्रों का चयन 23 से 27 सितंबर तक राजस्थान के जयपुर में होने वाले इनोवेशन डिजाइन और एंटरप्रेन्योरशिप बूट कैंप के लिए हुआ है। बूट कैंप का उद्देश्य छात्रों को स्टार्टअप, नवाचार और कौशल विकास की जानकारी देना है। ताकि छात्र इस क्षेत्र में बेहतर भविष्य बना सकें।

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय और अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद की ओर से आयोजित होने जा रहे दूसरे इनोवेशन, डिजाइन और एंटरप्रेन्योरशिप (आईडीई) बूट कैंप के लिए टीएचडीसी आईएचईटी के चौथे वर्ष के छात्र निखिल गहतोड़ी, शुभम रावत और अभिषेक तोमर का चयन हुआ है। चयनित छात्र 23 से 27 सितंबर के बीच राजस्थान जयपुर में बूट कैंप में शिरकत करेंगे। देश भर के चुनिंदा संस्थानों के चयनित छात्रों को बूट कैंप में स्टार्टअप, नवाचार, कौशल विकास, उद्यमिता, डिजाइन थिंकिंग आदि गतिविधियों की नवीन तकनीक की जानकारी दी जाएगी। साथ ही विशेषज्ञ इनोवेटिव विचारों और चुनौतियों के समाधान निकालने के भी तरीके बताएंगे। छात्रों का चयन उनकी रचनात्मक सोच और प्रोजेक्ट प्रस्तुतियों के आधार पर किया गया है।टीएचडीसी-आईएचईटी के निदेशक डॉ. शरद कुमार प्रधान, सिविल विभाग के विभागाध्यक्ष ज्योति प्रकाश सेमवाल और शिक्षक समीर वर्मा ने छात्रों के चयन पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि न केवल संस्थान के लिए गर्व का विषय है, बल्कि अन्य छात्रों के लिए प्रेरणा का स्रोत भी बनेगी।

151 महिलाओं ने हवन कर शांति की कामना की

नई टिहरी। गायत्री परिवार के साथ मिलकर नगर की 151 महिलाओं ने 21 हवन कुंडियों में रविवार को बौराड़ी में अवस्थित लक्ष्मी नारायण मंदिर में हवन कर सुख-शांति की कामना की। हवन कार्यक्रम में बतौर अतिथि नगर कांग्रेस के अध्यक्ष कुलदीप पंवार ने भी शिकरत की। उन्होंने गायत्री परिवार की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के धार्मिक आयोजनों से सौहार्द का माहौल बनता है। इसके साथ ही उच्च विचारों के आदान-प्रदान के साथ ही आबो-हवा शुद्ध करने का प्रयास भी सामने आता है। इस मौके पर गायत्री परिवार के बीपी बधानी, जेपी पांडेय, रीनू पंवार, सरिता, मीना आदि लोग शामिल रहे। फोटो कैप्शन-9 एनटीएच 21-रविवार को लक्ष्मी नारायण मंदिर नई टिहरी के बौराड़ी में हवन करतीं महिलाएं

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
-सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382-222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com